दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 140 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शुक्रवार 22 अगस्त 2025

डाक- शनिवार 23 अगस्त 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

अफ्रीकी देश गिनी में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत, 10 घायल

गिनी , 22 अगस्त (एजेंसी)। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी की राजधानी कोनाक्री से 50 किलोमीटर दूर कोयाह प्रांत में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार भूस्खलन बुधवार रात कोयाह प्रांत के ग्रामीण क्षेत्र मानेह में हुआ। स्थानीय निवासी कोने पेपे ने बताया, ''कल शाम करीब सात बजे बारिश हो रही थी। मैंने देखा कि अचानक पहाड़ टूटकर तलहटी में बने घरों पर गिर गया। इसके मलबे में घर दफन हो गए। कोई भी जीवित नहीं बचा।'' खोज और बचाव अभियान बृहस्पतिवार देर रात तक जारी रहा। शहरी नियोजन एवं आवास मंत्री मोरी कोंडे ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा, ''बारिश के कारण पहाड़ का एक हिस्सा ढह गया और इमारतों पर गिर गया।'' अधिकारियों ने बताया कि घायलों में कुछ की हालत गंभीर है जिससे मृतक संख्या बढ़ सकती है।

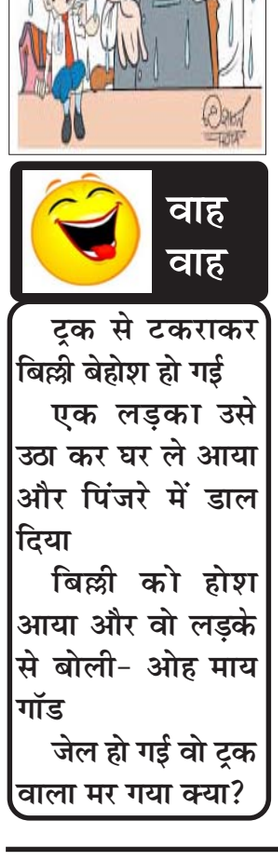

वाह वाह

ट्रक से टकराकर बिल्ली बेहोश हो गई

एक लड़का उसे उठा कर घर ले आया और पिंजरे में डाल दिया

बिल्ली को होश आया और वो लड़के से बोली- ओह माय गॉड

जेल हो गई वो ट्रक वाला मर गया क्या?

भारत से मिली करारी चोट के बाद जैश-ए-मोहम्मद फिर खड़ा होने का कर रहा प्रयास, ई-वॉलेट के जरिये शुरू किया चंदा जुटाओ अभियान

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रभावी और निरंतर कार्रवाई का सीधा असर अब साफ दिखाई दे रहा है। ऑपरेशन सिंदूर और इसके बाद के अभियानों ने यह साबित कर दिया है कि जब आतंकवाद को उसकी जड़ों में चोट पहुँचाई जाती है तो उसका तंत्र लड़खड़ा जाता है। आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन, जो कभी सीमा पार से खुलेआम आतंक फैलाते थे, अब जीवित रहने के लिए नए रास्ते खोजने पर मजबूर हो गये हैं।

जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों का मस्जिदों के नाम पर चंदा इकट्ठा करना और डिजिटल वॉलेट्स के जरिए छिपी हुई फंडिंग करना उनकी कमजोरी को दर्शाता है। यह वह दौर है जहाँ आतंकवादी अब अपने असली एजेंडे को धार्मिक आवरण में ढकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी यह चालें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से उजागर हो रही हैं।

भारत की रणनीति यह रही है कि केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट करने तक सीमित न रहा जाए, बल्कि उनके वित्तीय नेटवर्क, नेतृत्व और प्रचार तंत्र पर भी सीधा प्रहार किया जाए। यही कारण है कि आज ये संगठन नेतृत्व संकट, संसाधन संकट और वैचारिक असमंजस से जूझ रहे हैं।

हम आपको बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) को खास तौर पर गहरी चोट पहुँची है। भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए इस अभियान ने न केवल पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के नेटवर्क को तहस-नहस किया था बल्कि उनके नेतृत्व और वित्तीय स्रोतों को भी कमजोर कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के तहत जैश-ए-मोहम्मद के कई ठिकाने और प्रशिक्षण शिविर ध्वस्त कर दिए गए थे। इससे उनकी भर्ती और प्रशिक्षण गतिविधियों पर लगभग रोक लग गयी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जैश के कई वरिष्ठ कमांडर मारे गए थे जिससे संगठन का शीर्ष नेतृत्व बिखर गया और आंतरिक समन्वय बिगड़ गया।

इसके अलावा, भारतीय एजेंसियों ने आतंकियों के धन शोधन नेटवर्क और हवाला चैनलों पर करारी चोट की, इसके कारण JeM की फंडिंग लाइनों में बड़ी बाधा उत्पन्न हुई है।

ताज़ा रिपोर्टों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद ने अब 313 मस्जिदों के निर्माण के नाम पर 3.91 अरब पाकिस्तानी रुपये जुटाने का अभियान छेड़ा है। यह प्रयास लश्कर-ए-तैयबा की तरह विकेंद्रीकरण मॉडल को अपनाने का प्रतीक है, ताकि उनकी गतिविधियाँ एक ही जगह पर केंद्रित न रहें और आसानी से नष्ट न की जा सकें। बताया जा रहा है कि इसके लिए इजी पैसा और Sadapay जैसे मोबाइल भुगतान माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि फाउंडर मसूद अजहर का परिवार, विशेषकर उसका भाई तल्हा अल सैफ़ और बेटा अब्दुल्ला अजहर, इस फंडिंग नेटवर्क को चला रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, 250 से अधिक डिजिटल अकाउंट सक्रिय हैं जिनसे पोस्टर, वीडियो और अजहर के पत्र जारी कर लोगों से चंदा माँगा जा रहा है। हम आपको बता दें कि Financial Action Task Force (FATF) की बढ़ती सख्ती के चलते जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआई अब खुले बैंकिंग चैनलों की बजाय डिजिटल वॉलेट और गुप्त तरीकों का सहारा ले रहे हैं। यह संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव ने इन संगठनों के लिए पारंपरिक फंडिंग को लगभग असंभव बना दिया है।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को गंभीर झटका दिया है। आज जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन जीवित रहने के लिए नए रास्ते खोज रहे हैं, लेकिन उनके प्रयास यह भी दर्शाते हैं कि वे हताशा और कमजोरी की स्थिति में पहुँच चुके हैं। भारत के लिए यह अवसर है कि वह अपनी आतंरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को और मज़बूत करे ताकि ऐसे संगठनों का पुनरुत्थान संभव न हो सके। वैसे यह भी स्पष्ट है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की आक्रामक नीति न सिर्फ सीमा पार आतंकी ढांचे को कमजोर कर रही है, बल्कि यह भी संदेश दे रही है कि भारत अब किसी भी तरह के आतंक से समझौता नहीं करेगा।

पकड़े गए कुत्ते नसबंदी कर छोड़े जाएंगे, आक्रामक कुत्तों को ही शेल्टर होम में रखा जाएगा,सुको का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (उत्तम हिन्दू न्यूज)- सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 11 अगस्त के उस आदेश में संशोधन किया है, जिसमें सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होम में रखने का निर्देश दिया गया था। नए आदेश के अनुसार, अब केवल बीमार और आक्रामक कुत्तों को ही शेल्टर होम में रखा जाएगा, जबकि बाकी कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उनके मूल स्थान पर छोड़ना होगा। जिन कुत्तों को पहले ही शेल्टर होम भेजा गया है, उन्हें भी तुरंत छोड़ा जाएगा।

जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हर नगरपालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने के लिए **अलग से निर्धारित स्थान (फीडिंग जोन)** बनाए जाएंगे। इन स्थानों के बाहर, यानी सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक रहेगी और उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई होगी।

अदालत ने यह भी कहा कि कुत्तों को जहां से उठाया गया है, उन्हें उसी स्थान पर दोबारा छोड़ा जाएगा। हर वार्ड में फीडिंग जोन बनाए जाएंगे और इनके संचालन के लिए एनजीओ को 25,000 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही नियमों के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन भी शुरू की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पशु प्रेमी यदि चाहें तो आवारा कुत्तों को गोद लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दीवार फांदकर संसद की नई इमारत में घुसने की कोशिश कर रहा था घुसपैठिया, सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसी)। भारत के सबसे सुरक्षित सरकारी परिसरों में से एक में सुरक्षा व्यवस्था में एक नई खलबली मच गई। एक बड़ी सुरक्षा चूक में, शुक्रवार सुबह एक व्यक्ति पेड़ पर चढ़कर और दीवार फांदकर संसद भवन में घुस गया। यह घटना सुबह करीब 6:30 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठिया रेल भवन की तरफ से दीवार फांदकर नए संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुँच गया। सुरक्षाकर्मियों ने घुसपैठिए को पकड़ लिया है। अधिकारियों ने बताया कि उससे पूछताछ की जा रही है। यह घटना संसद के मानसून सत्र के समाप्त होने के एक दिन बाद हुई है,

जिसमें विधायी कार्य प्रभावित हुए थे। वह फिलहाल हिरासत में है और उसकी पहचान, मकसद और सुरक्षा के कई स्तरों से बचने के तरीके का पता लगाने के लिए उससे पूछताछ की जा रही है।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह उल्लंघन संसद के मानसून सत्र के समापन के ठीक एक दिन बाद हुआ। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, 21 जुलाई को शुरू हुए इस सत्र में 21 बैठकें हुईं, लेकिन बार-बार व्यवधान के कारण अंततः केवल 37 घंटे और 7 मिनट ही प्रभावी विधायी कार्य हो सका।

हाल के वर्षों में यह पहली ऐसी घटना नहीं है। पिछले साल भी इसी तरह के एक मामले में, 20 के दशक के आसपास का एक व्यक्ति दीवार फांदकर एनेक्सी भवन परिसर में घुसकर संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने में कामयाब रहा था। उस घटना के एक वीडियो में संदिग्ध व्यक्ति—जो शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने हुए था—को सशस्त्र सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा पकड़े हुए दिखाया गया था। तलाशी के दौरान उसके पास से कोई भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली।

सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जम्मू-कश्मीर के 6 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया

श्रीनगर,22 अगस्त (आरएनएस)। सीबीआई ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एक पुलिसकर्मी को कथित तौर पर हिरासत में प्रताड़ित करने के मामले में छह पुलिसकर्मियों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया. ये गिरफ्तारियां सुप्रीम कोर्ट के 21 जुलाई के निर्देश के बाद की गई है जिसमें जम्मू-कश्मीर में एक पुलिस कांस्टेबल के साथ क्रूर और अमानवीय यातना को गंभीरता से लिया गया था.

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार पुलिसकर्मियों में एक पुलिस उपाधीक्षक, एक निरीक्षक और एक सहायक उप-निरीक्षक शामिल हैं. आरोपी पुलिसकर्मियों को अपने हथियार और अन्य सरकारी सामान संबंधित जिला पुलिस लाइन में जमा करने का निर्देश दिया गया है. आरोपी पुलिसकर्मियों में से एक - जो मानदेय पर काम करने वाला एक विशेष पुलिस अधिकारी है - को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) की सूची से हटा दिया गया है.

असम में 35 साल बाद अदालत ने टाडा मामले में 38 पूर्व उल्फा नेताओं को बरी किया

गुवाहाटी, 22 अगस्त (एजेंसी)। एक ऐतिहासिक फैसले में गुवाहाटी में एक विशेष टाडा (आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां) अदालत ने गैरकानूनी यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (उल्फा) के 38 पूर्व नेताओं और सदस्यों को बरी कर दिया. इनमें अरबिंद राजखोवा, अनुप चेतिया, शशधर चौधरी, प्रदीप गोगोई, सुनील नाथ, कल्पज्योति नियोग, राजू बरुआ, मुनिन नोबिस और अनादर ठाकुरिया शामिल हैं. यह मामला मूल रूप से असम के दिसपुर पुलिस स्टेशन में जबरन वसूली, आतंक फैलाने और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के आरोपों में केस संख्या 1/1991 के रूप में दर्ज किया गया था. बाद में टाडा केस में बदल दिया गया. मुकदमे की कार्यवाही 2001 में शुरू हुई और लगभग 25 साल तक चली. इसके बाद बुधवार को फैसला आया. इस मामले के 45 आरोपियों में से उल्फा (स्वतंत्र) कमांडर-इन-चीफ परेश बरुआ सहित तीन अभी भी फरार हैं, जबकि चार अन्य की पिछले कुछ वर्षों में मृत्यु हो चुकी है. फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उल्फा के पूर्व महासचिव अनूप चेतिया ने कहा, सरकार वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सकी, इसलिए हमें बरी कर दिया गया. हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और आज के फैसले से हमें बड़ी संतुष्टि मिली है. हम लोकतांत्रिक तरीके से देश और जनता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. एक और टाडा मामला अभी बाकी है, जिसमें हमारे 11-12 सदस्य शामिल हैं. उल्फा के पूर्व अध्यक्ष अरबिंद राजखोवा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमारे कई साथियों को न्याय की प्रतीक्षा में गंभीर आर्थिक और भावनात्मक कष्टों का सामना करना पड़ा. आज का फैसला उस लंबे इंतजार का अंत करता है और हम न्याय देने के लिए अदालत का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं.

जम्मू-कश्मीर में जासूस कबूतर के पकड़े जाने के बाद स्टेशन और आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई

श्रीनगर, 22 अगस्त (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में एक जासूस कबूतर पकड़ा गया है, जिसके पैर में एक धमकी भरा नोट बंधा हुआ था। नोट में जम्मू स्टेशन को इम्प्रोवाइज्ड एक्प्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से उड़ाने की धमकी लिखी थी। धमकी भरा नोट मिलने के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा के पास स्थित जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। साथ ही अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी अलर्ट घोषित किया गया है। अधिकारी कबूतर के सीमा पार पहुंचने की जांच कर रहे हैं। कबूतर को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने जम्मू से लगभग 40 किलोमीटर दूर आरएस पुरा सेक्टर के खटमारिया इलाके में पकड़ा है। नोट को उर्दू और अंग्रेजी भाषा में लिया गया था। उर्दू में लिखा था,

कश्मीर हमारा है, समय आ गया है, आएगा, जबकि अंग्रेजी में लिखा था, जम्मू स्टेशन पर आईईडी विस्फोट, सब कुछ खत्म। बताया जा रहा है कि एक अन्य कबूतर 18 अगस्त को भी जम्मू-कश्मीर में पकड़ा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 18 अगस्त को कबूतर बीएसएफ की 7 बटालियन के तहत कठमारिया बीओपी के करीब फॉरवर्ड डिफेंस पोस्ट-69 के पास गश्ती दल ने देखा था। अधिकारियों का कहना है कि यह घटना कोई विश्वसनीय धमकी नहीं बल्कि सीमा पार से शरारत प्रतीत हो रही है। हालांकि, इसकी जांच भी चल रही है कबूतर कहां से उड़कर आया है। स्टेशन के साथ अन्य क्षेत्रों में भी अलर्ट है। पहले भी कबूतर सीमा पार से भेजे गए हैं।

25 अगस्त से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

आवास योजना के तहत बने घरों का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अगस्त से गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 133.42 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 1,449 घरों और 130 दुकानों का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना

(शहरी) के तहत घरों का उद्घाटन उन कार्यक्रमों में से एक होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान शामिल होंगे।

इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के इन-सीटू स्लम पुनर्विकास घटक के तहत, प्रधानमंत्री अहमदाबाद शहर के पश्चिमी क्षेत्र के सरदार पटेल स्टेडियम वार्ड में रामापीर टेकरा के नाम से प्रसिद्ध स्लम के सेक्टर-3 में 133.42 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कुल 1,449 घरों और 130 दुकानों के पुनर्वास कार्य का उद्घाटन करेंगे।

फिर दो हार्डकोर नक्सली नेताओं ने किया सरेंडर, 40 साल के बाद मुख्यधारा में लौटे

बीजापुर,22 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे राज्य तेलंगाना में पुलिस को एक बार फिर से सफलता हाथ लगी है। माओवादी नेता ककरला सुनीता एससीएम,डीकेएसजेडसी के साथ चेन्नुरी हरीश रमन्ना, तेलंगाना राज्य समिति के एसीएम चार दशकों तक माओवादियों के दल से जुटे रहे। आज वे जीवन की मुख्यधारा में लौट आए हैं।

दरअसल, 40 वर्षों तक नक्सली दल में शामिल रहने के बाद, माओवादी सुनीता, तेलंगाना राज्य समिति के चेन्नुरी हरीश उर्फ़ रामन्ना दोनों आत्मसमर्पण क़र सार्वजनिक

जीवन की मुख्यधारा में लौट आए हैं। सामाजिक मुख्यधारा में शामिल होने के लिए हार्डकोर माओवादियों के समर्पण को तेलंगाना पुलिस द्वारा अपनाई गई रणनीतियों की सफलता माना जा रहा है।

इधर छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। बीते दिन नारायणपुर जिले में आठ नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वाले नक्सली लंबे समय से इलाके में एक्टिव थे। उनके खिलाफ कई थानों में मामले दर्ज हैं। दो महिला नक्सलियों समेत आठ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में इसे बड़ी सफलता मानी जा रही है।

माओवादी स्मारक पर ध्वजारोहण करने वाले युवक की बर्बरता से हत्या, जन अदालत में देश प्रेम का आरोप

पखांजूर,22 अगस्त (एजेंसी)। छेटेबेठिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिनागुंडा में माओवादियों द्वारा बनाए गए स्मारक 15 अगस्त को तिरंगा फहराने वाले एक युवक मनेश नरेटी को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। जिसने पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस के दिन मनेश नरेटी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए एक ऐसे माओवादी स्मारक पर भारतीय ध्वज फहराया, जिसे वे अपने मृत साथियों के सम्मान में शहीद स्मारक कहते हैं। यह स्मारक माओवादियों के लिए एक पवित्र स्थल के समान है और वे इस पर किसी भी बाहरी व्यक्ति का हस्तक्षेप बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते। मनेश का यह कदम माओवादियों को इतना ना गवार गुजरा कि उन्होंने तुरंत उसे पकड़ लिया।

जानकारी के मुताबिक, इस घटना के बाद माओवादियों ने मनेश को गांव वालों के सामने तथाकथित 卐जन अदालत卐 में पेश किया।

इस जन अदालत में उन्होंने मनेश नरेटी पर देशप्रेम का आरोप लगाते हुए उसे सार्वजनिक रूप से मौत की सजा सुनाई और फिर उसकी निर्मम हत्या कर दी। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि नक्सली अपने वर्चस्व को बनाए रखने और अपनी विचारधारा को थोपने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इस घटना के बाद, पूरे क्षेत्र में भय और सदमे का माहौल है। गांव के लोग इस घटना से इतने डरे हुए हैं कि कोई भी खुलकर बात करने को तैयार नहीं है। मनेश नरेटी की यह दुखद कहानी क्षेत्र के लोगों के लिए एक दुखद मिसाल बन गई है। उसकी बहादुरी और देश के प्रति प्रेम को माओवादियों ने क्रूरता से कुचल दिया, लेकिन उसकी शहादत ने एक बार फिर से माओवादिओं की असली क्रूर मानसिकता को उजागर कर दिया है।

यह घटना न सिर्फ एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि माओवादी अपने तथाकथित आदर्शों के नाम पर किस हद तक हिंसा कर सकते हैं। यह मामला प्रशासन और सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती है कि वे कैसे ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और देशप्रेम की भावना को कुचलने वाली ताकतों का मुकाबला करें। दो दिन पहले ही माओवादियों ने ग्राम इंद्रपुर में बैनर और पोस्टर लगाए थे, जिसमें उन्होंने मनेश नरेटी को मौत की सजा देने की बात कही थी। इन पोस्टरों में कुछ ग्रामीणों और सरपंचों पर भी मुखबिरी का आरोप लगाया गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नक्सली अपने खिलाफ उठने वाली हर आवाज को कुचलने पर आमादा हैं।

रजत जयंती वर्ष: जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित हुई महतारी सम्मेलन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाते हुए महतारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। महतारी सम्मेलन में माताओं एवं महिलाओं को एक साथ लाकर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पोषण व स्वास्थ्य एवं महिला अधिकारों से अवगत कराते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के योजनाओं के विषय में जानकारी जैसे चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, महिला हेल्प लाइन 181, स्पॉन्सरशिप योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, लैंगिक उत्पीड़न, कार्य स्थल में लैंगिक उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, आईटी एक्ट, भारतीय

न्याय संहिता 2023, साइबर ग्रूमिंग, सोशल मीडिया में होने वाले समस्या, यौन शोषण, चाइल्ड पोर्नाग्राफी, फर्जी डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, शेयर मार्केट, ट्रेडिंग, फर्जी वीडियो कॉल, फर्जी आई डी से फ्रेंडशिप फेसबुक या इंस्टा, साइबर स्टाकिंग, ऑन लाइन जॉब, सोशल मीडिया में प्राइवेट रखना चाहिए, ऑन लाइन ठगी, इत्यादि जानकारी दी गई। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

उनके स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देने हेतु विकासखंड एवं परियोजना स्तर पर महतारी मेगा हेल्थ कैंप का भी आयोजन स्वास्थ्य विभाग के समन्वय द्वारा किया गया। जिसमें समस्त महिला हितग्राहियों एवं किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दावा व परामर्श दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों को लर्निंग स्पेस के रूप में विकसित करने हेतु अग्रणी कदम उठाए गए। पंचायत प्रतिनिधि समुदाय के सदस्यों पालकों के साथ मिलकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा सहायिका द्वारा केंद्रों की साफ सफाई भी की गई।

एकलव्य विद्यालय के विद्यार्थियों को कराया गया पाली शिव मंदिर का भ्रमण-छत्तीसगढ़ राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाते हुए एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को पाली में स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों को सांस्कृतिक धरोहरों से परिचय कराते हुए प्राचीन काल में होने वाले निर्माण और धार्मिक महत्व की जानकारी दी गई।

भारतीय प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत परिषद के विशेष सचिव बने मनोज

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सेवा भावना, उपलब्धि, कार्यकुशलता एवं राष्ट्रहित, जनहित से संबंधित योग्यता को देखते हुए भारतीय प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत परिषद की जिला कार्यकारिणी समिति में दर्री निवासी मनोज कुमार साहू को जिला विशेष सचिव (मुख्य प्रकोष्ठ) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्हें यह नियुक्ति राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष केंद्रीय कार्यकारी समिति व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदान की है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शा चौधरी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजीव कुजूर , प्रदेश अध्यक्ष अनुरेश प्रसाद,प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र कैवर्त ने आशा व्यक्त की है कि श्री साहू संगठन के सभी नियमों व शर्तों का पालन करते हुए कुशलतापूर्वक कार्य करेंगे। संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति एवं संगठन के सदस्यों, स्वयंसेवकों कार्यकर्ताओं की सुरक्षा हेतु अग्रणी भूमिका निभाएंगे। सभी राज्यों, संभागों, जिलों, उप-मंडलों, तहसील, ब्लॉक,

पंचायत व ग्राम स्तर पर नागरिकों को जोड़कर संगठन का विस्तार करेंगे। संगठन के उद्देश्यों की महत्ता पर उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके साथ ही राष्ट्रहित, जनहित एवं सरकारी सेवा वितरण से संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान में सहयोग प्रदान करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। लोगों को उनके संवैधानिक व मौलिक अधिकार बिना किसी बाधा, परेशानी व समस्या के प्रदान करेंगे। सरकारी सेवा वितरण को सरल, बेहतर एवं सरकार के मंत्रालयों में प्रभावी बनाएंगे। श्री साहू ने आश्वस्त किया कि भारत सरकार, राज्य सरकार के सभी संबंधित केंद्रीय, राज्य विभागों, कार्यालयों, शाखाओं, जिला प्रशासन और संगठन को भ्रष्टाचार, अपराध, अत्याचार, शोषण और अन्याय को समाप्त करने में हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे।

प्रयास आवासीय विद्यालय कोरबा में प्रवेश हेतु परीक्षा 24 अगस्त को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रयास बालक/कन्या आवासीय विद्यालय कोरबा में कक्षा 11 वीं में 20 सीट रिक्त है। इन रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु परीक्षा रविवार 24 अगस्त को प्रातः 11 बजे से दोपहर 01.30 बजे तक परीक्षा केन्द्र प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर कोरबा में आयोजित किया गया है। परीक्षार्थियों को 24 अगस्त को परीक्षा केन्द्र में प्रातः 10 बजे पहचान पत्र के साथ उपस्थित होने निर्देशित किया गया है। प्रवेश पत्र का वितरण परीक्षा केन्द्र में किया जायेगा।

जप्तशुदा अवैध मदिरा का किया गया नष्टीकरण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुलिस लाइन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकियों में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज न्यायालय से निराकृत 222 प्रकरणों में जप्त लगभग 2,045 लीटर मदिरा का विधिवत नष्टीकरण किया गया।

जब्त की गई मदिरा में 1048.91 लीटर महुआ शराब, 334.76 लीटर देशी शराब एवं 421 लीटर अंग्रेजी शराब 13 बियर कीमत करीबन 11 लाख रुपए का सम्मिलित है। सबसे अधिक 73 प्रकरण थाना पाली तथा 33 प्रकरण थाना कोतवाली से संबंधित हैं, शेष प्रकरण जिले के अन्य थानों से प्राप्त हुए हैं। कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा गठित समिति की उपस्थिति में संपन्न हुई। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से प्राप्त प्रमाण-पत्र के आधार पर नष्टीकरण पारदर्शिता एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप किया गया। संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व जिले में पुलिस द्वारा जून में जप्त शराब करीबन 9911 लीटर महुआ देशी व विदेशी शराब,852 लावारिस वाहनों की नीलामी एवं 652 विसरा प्रकरणों का भी विधिवत नष्टीकरण किया जा चुका है। पुलिस ने कहा कि कार्रवाई से थानों में वर्षों से संग्रहित अनुपयोगी जप्त मदिरा के व्यवस्थित निपटान में सहायता मिली है। यह न केवल कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करती है, बल्कि थाना परिसरों में स्वच्छता, स्थान की उपलब्धता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने की दिशा में भी महत्त्वपूर्ण कदम है। इससे कार्यरत पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनता है। जिला पुलिस द्वारा थानों को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं उत्तरदायी बनाए रखने की दिशा में इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर रूप से की जाती रहेगी।

बालको ने मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए चलाया जागरूकता अभियान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से समुदाय में जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। कंपनी की सामुदायिक विकास परियोजना मोबाइल हेल्थ वैन एवं आरोग्य के अंतर्गत छह अलग-अलग स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के माध्यम से समुदाय के 180 से अधिक लोग लाभान्वित हुए।

शिविरों में समुदाय को मच्छर जनित बीमारियों और अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए जागरूकता एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। महिलाओं और बच्चों के लिए हीमोग्लोबिन परीक्षण कर एनीमिया की पहचान की गई तथा पोषण संबंधी मार्गदर्शन भी दिया गया। मलेरिया की त्वरित जांच द्वारा समय पर उपचार सुनिश्चित किया गया। इसके साथ ही सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण जैसे रक्तचाप, तापमान और अन्य बुनियादी जांच भी की गईं।

जागरूकता सत्रों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के कारण, लक्षण और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वच्छता और मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई तथा संवेदनशील परिवारों को मच्छरदानियाँ भी वितरित की गईं। स्वच्छता एवं व्यक्तिगत सावधानियों पर जोर देते हुए कंपनी ने समुदाय में स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

बालको अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक सिन्हा ने अपील करते हुए कहा कि डेंगू और मलेरिया से बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है। यदि हम अपने घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखें और पानी को इकट्ठा न होने दें, तो इन बीमारियों को काफी हद तक रोका जा सकता है। सही समय पर इलाज न मिलने पर डेंगू और मलेरिया घातक साबित हो सकते हैं। समय पर लक्षणों की पहचान और डॉक्टर की सलाह लेना बेहद जरूरी है। बालको अस्पताल समुदाय के स्वास्थ्य के लिए निरंतर सेवाभाव से प्रयासरत है।

कंपनी ने अभियान को व्यापक बनाते हुए समुदाय में चलित वाहन तथा कोरबा, चांपा और बिलासपुर रेलवे स्टेशनों पर ऑडियो संदेशों के माध्यम से भी लोगों को मच्छर जनित बीमारियों के प्रति जागरूक किया। बालको की यह पहल जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं का एक उत्कृष्ट प्रयास रही, जिसने लोगों की भागीदारी बढ़ाई और उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर होने में मदद की।

सेजेस पसान में होगी शिक्षकों की नियुक्ति

कोरबा (छ.ग.गौरव)। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पसान, वि.खं. पोड़ी उपरोड़ा में शिक्षको की पदस्थापना को लेकर वहां के छात्र-छात्राओं के द्वारा पसान में चक्का जाम किया गया था, जिसकी जानकारी प्राप्त होने पर जिला शिक्षा अधिकारी टी.पी.उपाध्याय द्वारा संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पोड़ी उपरोड़ा को तत्काल पसान जाकर स्कूल की समस्या के संबंध में प्रतिवेदन देने के लिए निर्देशित किया गया।

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पोड़ी उपरोड़ा द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पसान में वर्तमान में स्वीकृत सेटअप के विरूद्ध 11 पद शिक्षक के रिक्त है, जिस पर छात्रों के द्वारा शिक्षक व्यवस्था का मांग की जा रही है।

उपरोक्त रिक्त 11 पदों पर 02 वर्ष पूर्व जिला स्तर से संविदा शिक्षको की भर्ती की गई थी परन्तु इन शिक्षकों द्वारा अन्यत्र नियुक्त हो जाने संबंधी कारणों से एक-एक करके त्यागपत्र दे दिया गया, जिसके कारण पद रिक्त हो गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सेजेस पसान में शीघ्र ही रिक्त 11 पदो पर अतिथि/मानदेय शिक्षक की व्यवस्था करने आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। संबंधित प्राचार्य, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पसान, वि.खं. पोड़ी उपरोड़ा को रिक्त 11 पदो पर स्थानीय स्तर से योग्य मानदेय शिक्षक का चयन करने का निर्देश दिया गया है।

कलेक्टर ने किया वन अधिकार पट्टा निरस्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अजीत वसंत ने पात्रता नहीं होने के कारण प्राप्त पट्टे को निरस्त कर छत्तीसगढ़ शासन के पक्ष में राजस्व अभिलेख दुरूस्त किये जाने हेतु तहसीलदार पोंड़ी उपरोड़ा को आदेशित किया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार न्यायालय कलेक्टर कोरबा के आदेश दिनांक 21/08/2025 को अनावेदक रामावतार पिता देवनारायण जाति-गोंड, मूलतः ग्राम कुम्हारीसानी के निवासी है, परन्तु उनके द्वारा वर्तमान में ग्राम-कांसामार प0ह0नं0-34 तहसील पोड़ीउपरोड़ा, जिला-कोरबा (छ0ग0) में विगत 04-05 वर्षो से कब्जा कर खसरा नंबर 16/1 में से रकबा 1.216 हे0 भूमि का वन अधिकार पट्टा प्राप्त किया गया है। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परांपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम-2006 संशोधित अधिनियम, 2012 के तहत् अनुसूचित जनजाति समुदाय के व्यक्तियों को वन अधिकार पत्र की पात्रता दिनांक 13.12.2005 के पूर्व कब्जा हो तथा आवेदित ग्राम के मूल निवासी होने की पात्रता रखती हो। परन्तु अनावेदक रामावतार पिता देवनारायण मूलतः ग्राम-कांसामार तहसील पोड़ीउपरोड़ा की निवासी नहीं होने के कारण खसरा नंबर 16/1 में से रकबा 1.216 हे0 (बटांकन पश्चात् ख0नं0 16/13 रकबा 1.216 हे0) भूमि के प्राप्त वन अधिकार पट्टा निरस्त कर छ0ग0शासन के पक्ष में राजस्व अभिलेख दुरूस्त किये जाने हेतु तहसीलदार पोंड़ी उपरोड़ा को आदेशित किया गया है।

राशिफल

मेष राशि : मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा और कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि : आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी और बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा और आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। इस राशि के छात्रों को आज किसी प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका मिलेगा , जिसमें वे बहुत अच्छा परफॉर्म करेंगें।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपको नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आज आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आप कार्यस्थल पर विरोधियों से बचकर रहें, वे आपका काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। आज आप अपने काम पर फोकस करेंगे और आपकी एकाग्रता ही आपको सफलता दिलाएगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए आनंद से भरा रहेगा। आज आपको खुशखबरी मिलेगी, नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा खत्म होगी। आज नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा और आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आज आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनी रहेगी। आज आपको किसी काम के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है।

राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपको संतान की ओर से सुखद समाचार प्राप्त होगा। आज आपकी नौकरी में सफलता के योग हैं और आपकी सैलरी भी बढ़ सकती है। आज जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आप मेहनत और आत्मविश्वास से अपने कार्यों को करने में सफल रहेंगें।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा, ऑफिस के सभी लोग आपकी तारीफ करेंगें। इस राशी के कला और अभिनय से जुड़े व्यक्तियों को आज किसी बड़ी हस्ती से मिलने का मौका मिलेगा। आज पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा, संतान को लेकर उलझने दूर होगी।

तुला राशि: आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी और कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। किसी एंट्रेस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्रों को जल्द ही सफलता प्राप्त होगी। आज आपका अनुभव प्रतिष्ठा का कारण बनेगा और समाज में आपको मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आज आप किसी संस्था के साथ जुड़कर जरुरतमंदों की मदद करेंगें। आज आप जो भी निर्णय करें, पहले थोड़ा सोच ङ्क समझ लें। आज आप व्यापार में विकास के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। आज आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं। आज जीवन साथी के साथ आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके निजी प्रयासों से उत्तम सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे और इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आज आपकी सैलरी में वृद्धि होगी, आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आज आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में धन लाभ होगा लेकिन खर्च की भी अधिकता रह सकती है। आज आप किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

बीसीपीपी कालोनी की समस्याओं पर आयुक्त ने ली एनटीपीसी व बालको प्रबंधन की बैठक

कालोनी की साफ-सफाई, कचरे के व्यवस्थापन ,स्वच्छता व समस्याओं के निराकरण पर कार्य करने को कहा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आज बी.सी.पी.पी.कालोनी की समस्याओं को लेकर एन.टी.पी.सी. व बालको प्रबंधन के अधिकारियो की बैठक ली, उन्होने कहा कि कालोनी में रह रहे नागरिकों का हक है कि उन्हें आवश्यक मूलभूत सुविधाएं मिले, अतः वहॉ की समस्याओं को दूर करने, नियमित साफ-सफाई कराने व उचित प्रबंधन किए जाने का कार्य प्रतिष्ठान करें।

यहॉ उल्लेखनीय है कि एन.टी.पी.सी. कालोनी कृष्णाविहार में बालको की बी.सी.पी.पी. कालोनी स्थित है, जहॉ पर नियमित साफ-सफाई, कचरे का संग्रहण आदि का कार्य नहीं हो रहा, साथ ही वहॉ पर अन्य समस्याएं भी व्याप्त हैं, इसकी जानकारी प्राप्त होने पर विगत दिनों महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने भी बी.सी.पी.पी. कालोनी का दौरा कर वहॉ की समस्याएं देखी थी तथा निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। वहॉ आज आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने भी

बी.सी.पी.पी.कालोनी का दौरा किया, मेयर इन काउंसिल सदस्य एवं वार्ड पार्षद अजय कुमार चन्द्रा व निगम अधिकारियों के साथ कालोनी का भ्रमण करते हुए उन्होने वहॉ की समस्याओं का जायजा लिया तथा इस संबंध में एन.टी.पी.सी. व बालको प्रबंधन की बैठक बुलाई। नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित कक्ष में आयुक्त श्री पाण्डेय ने दोनों प्रतिष्ठानों के अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि कालोनी में रह रहे नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए, कालोनी में साफ-सफाई का बेहद अभाव है, वहॉ न तो नियमित सफाई के कार्य हो रहे, और न कचरे का प्रबंधन किया जा रहा है, अतः इस दिशा में प्रतिष्ठान अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बैठक के दौरान एन.टी.पी.सी. के अधिकारियों ने कहा कि उक्त कालोनी में 360 आवासगृह स्थित हैं, जिनमें पानी, बिजली व सीवर संबंधी कार्यो के लिए उन्हें बालको प्रबंधन से राशि मिलती है तथा यह कार्य हम करते हैं, किन्तु कालोनी की नियमित साफ-सफाई, कचरे का संग्रहण व अपशिष्ट का प्रबंधन का कार्य बालको प्रबंधन का है, अतः बालको इस कार्य को करें। आयुक्त श्री पाण्डेय ने बालको प्रबंधन से कहा कि इस संबंध में वे अपने दायित्व को निभाएं तथा साफ-सफाई के नियमित कार्य हों, कचरे का उचित प्रबंधन हो, डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण की व्यवस्था हो, वहॉ पर गार्डन भी है, जो उजाड़ स्थिति में है, उसकी हालत सुधरनी चाहिए, अतः बालको प्रबंधन इस दिशा में कार्य करें। बालको प्रबंधन के अधिकारियों ने कहा कि कालोनी की एक बार सम्पूर्ण सफाई का कार्य कराने के साथ ही वहॉ पर नियमित सफाई कार्य व कचरा प्रबंधन पर हम कार्य करेंगे किन्तु कचरा डम्पिंग की समस्या वहॉ पर रहेगी, इस पर एन.टी.पी.सी. प्रबंधन ने कचरा डम्पिंग की समस्या पर विचार करने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, बालको के एक्सटर्नल अफेयर हेड कुशाग्र कुमार, एन.टी.पी.सी के ए.जी.एम. शशिशेखर, बालको के लैण्ड एण्ड लीगल टीम हेड प्रमोद नायक, एन.टी.सी.सी. के सीनियर मैनेजर शशांक झाजेड, निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, जोन कमिश्नर तपन तिवारी आदि उपस्थित थे।

शपथपत्र

मैं आदित्य नारायण रथ (ADITYA NARAYAN RATH) उम्र 44 वर्ष पिता रबी नारायण रथ, पता- ग्राम टुलंक, पोस्ट मोतीगंज तहसील बालेश्वर सदर जिला-बालेश्वर (ओड़िसा) 756003 का निवासी हूँ, जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ -

01. यह कि, मैं उपरोक्त पते पर निवासरत हूँ तथा मेरा आधारकार्ड क्र. 5260 8099 6602 है।

02. यह कि, मेरी पुत्री के नाम पर जारी आधारकार्ड क्र. 3543 5727 2179 में उसका नाम त्रुटिवश स्वास्तिका रथ (SWASTIKA RATH) दर्ज है।

03. यह कि, मेरी पुत्री का वास्तविक एवं सही नाम साई स्वस्तिका रथ (SAI SWASTIKA RATH) है, जो मेरी पुत्री के सेकण्डरी स्कूल परीक्षा 2025 एवं उनके नाम से जारी जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है।

04. यह कि, मैं मेरी पुत्री के नाम पर जारी आधारकार्ड क्र. 3543 5727 2179 में उसका वास्तविक एवं सही नाम साई स्वस्तिका रथ (SAI SWASTIKA RATH) दर्ज कराना चाहता हूँ, जिस हेतु किसी भी व्यक्ति को आपत्ति बाबत दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन की आवश्यकता है।

05. यह कि, यह शपथ पत्र मेरे द्वारा मेरे पुत्री के नाम पर जारी आधारकार्ड में उसका वास्तविक एवं सही नाम साई स्वस्तिका रथ (SAI SWASTIKA RATH) दर्ज कराने बाबत पेपर प्रकाशन हेतु निष्पादित की गई है, जिसे संबंधित कार्यालय/विभाग में प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
आदित्य नारायण रथ

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 116 दिनांक 19.06.2025 को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत् अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

जी-252602963/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर, मंडल, बिलासपुर

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 205.79 मीटर तक पहुंचने के बाद यमुना बाजार क्षेत्र में बाढ़ प्रबंधन और तैयारियों की समीक्षा की।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी बिहार अध्यक्ष राजेश कुमार, और राजय विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद नेता तेजस्वी यादव नवादा जिले में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान।

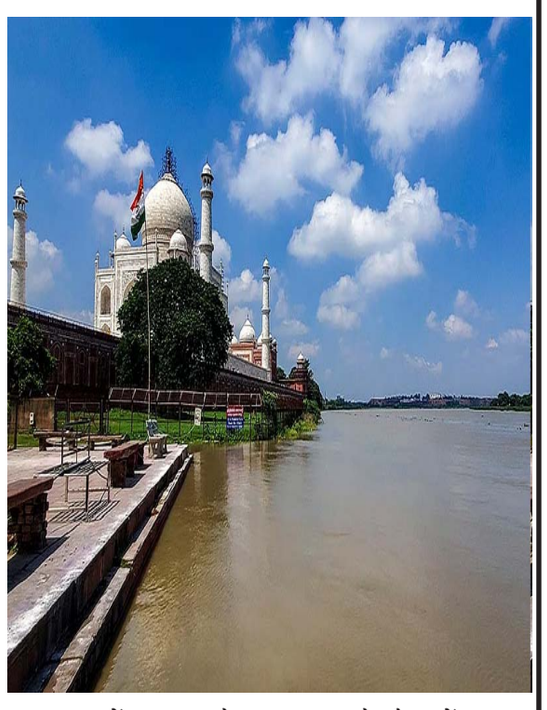

आगरा में ताजमहल के पास मानसून के मौसम में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ जाता है।

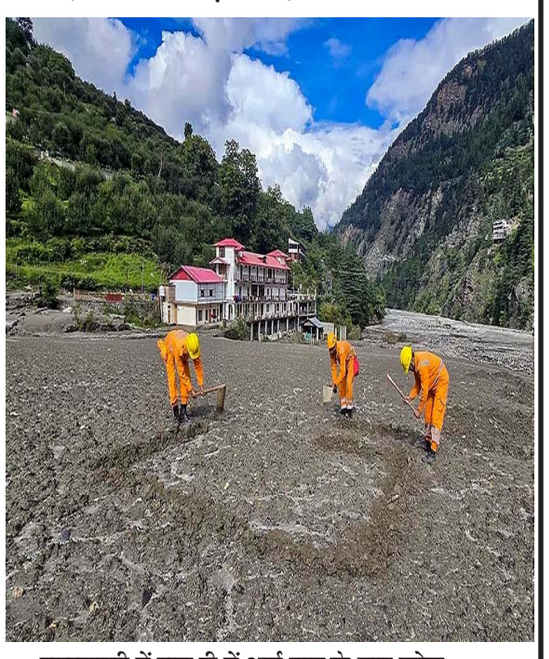

उत्तरकाशी में हाल ही में आई बाढ़ के बाद खोज और बचाव अभियान जारी है।

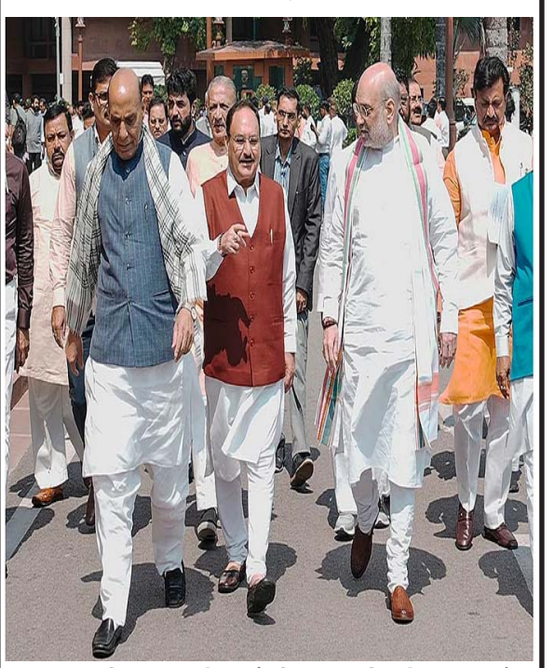

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा नई दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद रवाना होते हुए।

ट्रंप प्रशासन की खुफिया विभाग के अफसरों पर बड़ी कार्रवाई, 37 अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द

वॉशिंगटन ,22 अगस्त (एजेंसी)। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की ओर से जारी पत्र में अधिकारियों पर व्यक्तिगत या पक्षपातपूर्ण लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए खुफिया जानकारी का गलत इस्तेमाल करने, जानकारी की सुरक्षा में विफल रहने, पेशेवर मानकों का पालन न करने और अन्य असंगत हानिकारक आचरण करने का आरोप लगाया गया है। ट्रंप प्रशासन ने खुफिया विभाग के 37 मौजूदा और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द की है। मंगलवार को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की ओर से जारी पत्र में इन अफसरों तमाम आरोप लगाए गए हैं।पत्र में अधिकारियों पर व्यक्तिगत या पक्षपातपूर्ण लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए खुफिया जानकारी का गलत इस्तेमाल करने, जानकारी की सुरक्षा करने में विफल रहने, पेशेवर विश्लेषणात्मक व्यापार मानकों का पालन न करने और अन्य असंगत हानिकारक आचरण

करने का आरोप लगाया गया है।हालांकि आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। तुलसी गबार्ड ने कहा कि सुरक्षा मंजूरी मिलना एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं।खुफिया विभाग के वे लोग जिन्होंने संविधान के प्रति अपनी शपथ तोड़ी और अपने हितों को अमेरिकी लोगों से आगे रखा, उन्होंने उस पवित्र विश्वास को तोड़ा है जिसे बनाए रखने का उन्होंने वादा किया था।जिन अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द की गई है, उनमें से कई ने वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा पदों और निचले स्तर पर काम करने के बाद कई साल पहले सरकार छोड़ दी थी। जबकि कुछ ने ऐसे मामलों पर काम किया जो ट्रंप को लंबे समय से नाराज कर रहे थे। इसमें 2016 में अमेरिकी चुनाव में रूस के हस्तक्षेप की बात छिपाने वाले अफसर भी शामिल हैं। इस कार्रवाई में जिन लोगों को निशाना बनाया गया, उनमें से कुछ बाइडेन की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम का हिस्सा थे।सूची में शामिल दो पूर्व सरकारी अधिकारियों ने बताया कि कई लोगों को मंगलवार को समाचार रिपोर्टों से ही गबार्ड की कार्रवाई के बारे में पता चला। दोनों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वे कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन उस अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत वह कथित विरोधियों के खिलाफ सरकार का नियंत्रण अपने हाथ में लेना चाहता है। यह राष्ट्रपति के उन खुफिया अधिकारियों के प्रति अविश्वास को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन के फैसले को लेकर आलोचकों का कहना है कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय की असहमतिपूर्ण आवाजों के ठंडा पड़ने का खतरा है। सुरक्षा मंजूरी रद्द किए जाने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा वकील मार्क जैद ने कहा कि ये गैरकानूनी और असांविधानिक निर्णय हैं जो दशकों पुराने सुस्थापित कानूनों और नीतियों से अलग हैं। इनका उद्देश्य इसी प्रकार की कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान करना था। उन्होंने प्रशासन के दावे को गलत बताया कि इन अफसरों ने खुफिया जानकारी का राजनीतिकरण किया या उसे हथियार बनाया।सुरक्षा मंजूरी न केवल मौजूदा सरकारी कर्मचारियों के लिए बल्कि उन पूर्व कर्मचारियों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिनका निजी क्षेत्र की नौकरियों में संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाए रखना जरूरी है। ऐसे कर्मचारियों से मंजूरी छीन लेने से उनके लिए अपना काम करना मुश्किल हो सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को फोन कर रखा जेलेंस्की के साथ बैठक का प्रस्ताव

वाशिंगटन,22अगस्त (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते के तहत पूर्ण युद्ध विराम कराने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सोमवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक और व्हाइट हाउस में यूरोपीय नेताओं के साथ सामूहिक बैठक के बाद उन्होंने तत्काल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन कर दिया। इस दौरान उन्होंने पुतिन से जेलेंस्की के साथ आमने-सामने की बैठक करने का प्रस्ताव रख दिया, जिस पर उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पुतिन से फोन पर बात किए जाने का खुलासा किया। उन्होंने लिखा, जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक के बाद मैंने राष्ट्रपति पुतिन को फोन किया और उन्हें जेलेंस्की के साथ आमने-सामने की बैठक करने का प्रस्ताव रख दिया। उन्होंने लिखा, पुतिन ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाया है। ऐसे में मैने राष्ट्रपति पुतिन और जेलेंस्की के बीच एक निश्चित स्थान पर बैठक की तैयारियां शुरू कर दी है।

ट्रंप ने आगे लिखा, रूसी राष्ट्रपति पुतिन और जेलेंस्की के बाद हम एक त्रिपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें दोनों राष्ट्रपति और मैं शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ रूस और यूक्रेन के साथ मिलकर व्यवस्था पर काम कर रहे हैं। यह लगभग 4 वर्षों से चल रहे युद्ध के लिए एक बहुत अच्छा कदम है। उन्होंने लिखा, त्रिपक्षीय बैठक होने के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने की उचित संभावना रहेगी।

क्रेमलिन ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने अलास्का शिखर सम्मेलन के दौरान आतिथ्य और प्रगति के लिए ट्रंप को धन्यवाद भी दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन के एक सहयोगी ने पुष्टि की कि दोनों नेताओं के बीच 40 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई, जिसमें उन्होंने रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच सीधी बातचीत जारी रखने का समर्थन किया। उन्होंने यूक्रेन संकट और अन्य गंभीर वैश्विक मुद्दों पर निकट संपर्क बनाए रखने पर भी सहमति जताई है। इससे पहले ट्रंप और प्रमुख यूरोपीय राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। इसमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और नाटो महासचिव मार्क रूट शामिल थे।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति को किया गया रिहा, भ्रष्टाचार मामले में फैसला आने तक अदालत ने दी राहत

बोगोटा,22 अगस्त (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति उरीबे ने अमेरिका के मजबूत समर्थन से 2002 से 2010 तक शासन किया। उरीबे पर अभियोजकों ने अवैध समूह के साथ कथित संबंधों के बारे में सेपेडा से बात करने वाले गवाहों को पलटकर न्याय में बाधा डालने का प्रयास करने का आरोप लगाया था।कोलंबिया की अपील अदालत ने भ्रष्टाचार मामले में पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को बड़ी राहत दी है। अदालत ने कहा है कि उरीबे को रिश्वतखोरी और गवाहों से छेड़छाड़ के मामले में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने तक रिहा किया जाना चाहिए। उरीबे को एक अगस्त को 12 वर्ष की नजरबंदी की सजा सुनाई गई थी। उन पर 1990 के दशक में दक्षिणपंथी अर्धसैनिक समूह से संबंध होने, गवाहों को धमकाने और उन्हें गुमराह करने का प्रयास करने का आरोप था।उरीबे ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने सुपीरियर ट्रिब्यूनल में दोषसिद्धि के खिलाफ अपील की है। अदालत को इस मामले पर अपना अंतिम फैसला अक्टूबर के मध्य तक सुनाना है। ट्रिब्यूनल ने मंगलवार को कहा कि उसने उरीबे की बचाव टीम द्वारा दायर उस निषेधाज्ञा को मंजूरी दी है, जिसमें उन्हें नजरबंदी से रिहा करने की मांग की गई थी। उरीबे के वकीलों ने तर्क दिया कि उनके खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश से उनके उचित प्रक्रिया के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। साथ ही निर्दोषता की धारणा के उनके अधिकार का भी उल्लंघन हुआ है।पूर्व राष्ट्रपति उरीबे ने अमेरिका के मजबूत समर्थन से 2002 से 2010 तक शासन किया। कोलंबिया के लोग उन्हें 1990 के दशक में

मानवाधिकारों के उल्लंघन और अर्धसैनिक समूहों के उदय से जोड़ते हैं। उरीबे के कार्यकाल में कोलंबिया की सेना ने स्वतंत्र विद्रोहियों के विरुद्ध महत्वपूर्ण जीत हासिल की। इसके बाद में समूह को शांति वार्ता के लिए बाध्य होना पड़ा और उरीबे लैटिन अमेरिका के रूढ़िवादी आंदोलन के प्रतीक बन गए।2012 में दर्ज हुआ था मुकदमाउरीबे के खिलाफ मामला 2012 का है, जब उन्होंने वामपंथी विधायक इवान सेपेडा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। सेपेडा ने अर्धसैनिक समूहों के पूर्व सदस्यों के बयान एकत्र किए थे, जिनमें उरीबे पर ब्लोक मेट्रो के संस्थापकों में से एक होने का आरोप लगाया गया था। ब्लोक मेट्रो एक अर्धसैनिक समूह था, जो विद्रोही समूहों के हमलों से पशुपालकों की रक्षा करता था।2018 में कोलंबिया के सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमे को खारिज कर दिया और इसके बजाय उरीबे की जांच शुरू की। उरीबे पर अभियोजकों ने पूर्व राष्ट्रपति के अवैध समूह के साथ कथित संबंधों के बारे में सेपेडा से बात करने वाले गवाहों को पलटकर न्याय में बाधा डालने का प्रयास करने का आरोप लगाया था।12 साल की नजरबंदी की सुनाई गई थी सजान्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया ने जुलाई में कहा था कि यह निर्धारित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं कि उरीबे ने एक वकील के साथ मिलकर जेल में बंद अर्धसैनिक समूहों के तीन पूर्व सदस्यों को सेपेडा को दी गई गवाही बदलने के लिए उकसाया था। उरीबे के बचाव पक्ष ने कहा कि साक्ष्य अवैध रूप से प्राप्त किए गए थे और उरीबे ने केवल मुकदमे की तैयारी के लिए और अपने भाई, सैंटियागो उरीबे के खिलाफ हत्या के मुकदमे में इस्तेमाल की जा रही गवाही को सत्यापित करने के लिए कैद अर्धसैनिक बलों के लोगों से मुलाकात की मांग की थी। उरीबे को दोषी ठहराने के कुछ दिनों बाद न्यायाधीश हेरेडिया ने पूर्व राष्ट्रपति को 12 साल की नजरबंदी की सजा सुनाई। जज ने कहा था कि उन्हें नागरिकों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तुरंत हिरासत में लिया जाना चाहिए, क्योंकि यह स्पष्ट है कि दोषी ठहराए जाने के बाद भी कोई सार्वजनिक व्यक्ति आजाद नहीं रह सकता।अपील अदालत यह कहाहालांकि, बोगोटा के सुपीरियर ट्रिब्यूनल ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि न्यायाधीश हेरेडिया ने उरीबे को हिरासत में लेने का आदेश देने में अस्पष्ट तर्क का इस्तेमाल किया और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट ने कानून के तहत समान व्यवहार के उनके अधिकार का उल्लंघन किया है। अदालत ने उन तर्कों को भी खारिज कर दिया

अंतरिक्ष के मैदान से भी लड़े जाएंगे युद्ध, सेटेलाइट होंगे हथियार

वॉशिंगटन, 22 अगस्त [एजेंसी]। 21वीं सदी में युद्ध केवल भूमि, समुद्र और वायुसेना के साथ ही नहीं, बल्कि साइबरस्पेस और अंतरिक्ष में भी लड़े जाएंगे। बिना एक भी गोली चलाए केवल सेटेलाइट को निष्क्रिय कर भी दुश्मन पर कहर बरपाया जा सकता है। सेटेलाइट के सुरक्षा सॉफ्टवेयर को निशाना बनाकर या पृथ्वी से संकेत भेजने या प्राप्त करने की उसकी क्षमता बाधित कर दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर किया जा सकता है।इसी वर्ष रूस ने सेटेलाइट का इस्तेमाल कर यूक्रेन के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध भी लड़ा। दरअसल रूस ने इस वर्ष जब अपने विजय दिवस परेड का आयोजन किया, तब क्रेमलिन समर्थक हैकरों ने उस सेटेलाइट को हाइजैक कर लिया जिसकी मदद से यूक्रेन में लोगों को टेलीविजन सेवा मिलती है।सेटेलाइट हाइजैक होने के कारण यूक्रेन में सामान्य कार्यक्रम के बजाय यूक्रेन के दर्शकों को मास्को से प्रसारित परेड फुटेज देखनी पड़ी। यूक्रेन के लोगों को रूसी टैंकों, सैनिकों और हथियारों की ताकत को इसलिए दिखाया गया ताकि वे खौफजदा हो जाएं और रूस को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल सके। यह इस बात का उदाहरण भी था कि 21वीं सदी का युद्ध भूमि, समुद्र और वायु में नहीं, बल्कि साइबरस्पेस और अंतरिक्ष में भी लड़ा जा रहा है।12 हजार से अधिक सक्रिय सेटेलाइट पृथ्वी की कक्षा में हैं, जो न केवल संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि सैन्य संचालन, जीपीएस जैसे नेविगेशन सिस्टम, खुफिया संग्रह और आर्थिक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भी महत्वपूर्ण हैं।

ये निकटवर्ती मिसाइलों की चेतावनी देने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। हैकर्स आमतौर पर उस साफ्टवेयर या हार्डवेयर में सबसे कमजोर कड़ी की तलाश करते हैं जो सेटेलाइट का समर्थन करता है या पृथ्वी के साथ इसके संचार को नियंत्रित करता है।सेटेलाइट अगर पुराने साफ्टवेयर पर चल रहा है, तो इसे आसानी से निशाना बनाया जा सकता है। जब रूसी सेना ने 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण किया, तो किसी ने यूक्रेन की सरकार और सेना द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली अमेरिकी उपग्रह कंपनी, वायसैट को निशाना बनाया। मालवेयर का इस्तेमाल करके हजारों माडेम को निशाना बनाया गया, जिससे यूरोप के बड़े हिस्से में आउटेज हुआ। इस हैकिंग के लिए कीव ने मास्को को जिम्मेदार ठहराया। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि रूस परमाणु, अंतरिक्ष-आधारित हथियार विकसित कर रहा है जो पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित लगभग सभी उपग्रहों को एक साथ नष्ट कर देगा। अमेरिकी राजनेता माइक टर्नर ने कहा कि ऐसा हथियार पृथ्वी की निचली कक्षा को उपग्रहों के लिए एक वर्ष तक अनुपयोगी बना सकता है। यदि इसका उपयोग किया गया, तो इसके प्रभाव विनाशकारी होंगे। अमेरिका और उसके सहयोगियों को आर्थिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ सकता है। रूस और चीन को भी सेटेलाइट का नुकसान हो सकता है, , हालांकि माना जाता है कि वे अमेरिका की तरह के उपग्रहों पर कम निर्भर हैं। टर्नर ने इस हथियार की तुलना स्पुतनिक से की, जो 1957 में अंतरिक्ष युग की शुरुआत करने वाला रूसी उपग्रह था।

मेरे स्वर्ग जाने की संभावना बढ़ जाएगी, किस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कही ये बात

वॉशिंगटन ,22 अगस्त (एजेंसी)। अमरेकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने अलग अंदाज के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। लेकिन इस बार उन्होंने खुद को लेकर ऐसी बात कही है कि उसे सुनकर सभी चौंक गए। दरअसल एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अगर वे एक काम को सफलतापूर्वक कर पाते हैं तो उनके स्वर्ग जाने की संभावना बढ़ जाएगी।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वे रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता कराने में सफल हो जाते हैं, तो शायद उनकी स्वर्ग जाने की संभावना बढ़ जाएगी। मंगलवार को अमेरिकी टीवी चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, %मैं कोशिश कर रहा हूं कि स्वर्ग जा सकूं। मैंने सुना है कि मेरी हालत अच्छी नहीं है, मैं तो सबसे नीचे हूं। लेकिन अगर मैं यह काम कर पाता हूं तो शायद यह वजह बनेगी कि मुझे भी स्वर्ग का रास्ता मिल जाए।

नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत

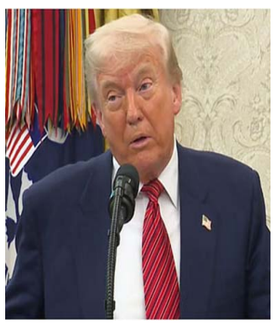

डोनाल्ड ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहते हैं और इसके लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उनका मानना है कि शांति समझौते की पहल न केवल दुनिया के लिए महत्वपूर्ण होगी, बल्कि उनके राजनीतिक और व्यक्तिगत जीवन में भी एक ऐतिहासिक कदम साबित होगी।

ट्रंप और धर्म की ओर रुझान

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का जीवन विवादों से भरा रहा है। उन्होंने तीन बार शादी की, दो बार महाभियोग का सामना कर चुके और हाल ही में आपराधिक मामले में दोषी ठहराए गए ट्रंप को अक्सर आलोचना झेलनी पड़ी है। यह मामला एक एडल्ट स्टार को चुप्पी साधने के लिए दी गई रकम से जुड़ा था। फिर भी, पिछले साल हुए हत्या के प्रयास से बचने के बाद ट्रंप का धार्मिक झुकाव और गहरा हो गया है। जनवरी में अपने शपथग्रहण के दौरान उन्होंने कहा था, %भगवान ने मुझे बचाया है ताकि मैं अमेरिका को फिर से महान बना सकूं।धार्मिक समुदाय का बढ़ता समर्थन

अमेरिका का धार्मिक तबका, खासकर ईसाई दक्षिणपंथी समूह, ट्रंप के साथ मजबूती से खड़ा है। अपनी दूसरी कार्यकाल की शुरुआत से ही ट्रंप ने आस्था को और खुले रूप में अपनाया है। उन्होंने आधिकारिक रूप से एक आध्यात्मिक सलाहकार पॉला व्हाइट को नियुक्त किया है। पॉला व्हाइट व्हाइट हाउस में कई बार प्रार्थना सभाओं का आयोजन कर चुकी हैं, जहां लोग ट्रंप के लिए सामूहिक प्रार्थना करते हैं और उन पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते है

प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट का बयान

ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने भी मंगलवार को उनके बयान का बचाव किया। उन्होंने कहा, %मेरा मानना है कि राष्ट्रपति इस बारे में गंभीर हैं। वे सचमुच स्वर्ग जाना चाहते हैं,

युद्ध के दौरान मारे गए 383 सहायताकर्मी, गाजा में बड़ी तबाही

संयुक्त राष्ट्र,22 अगस्त (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि 2024 में वैश्विक हॉटस्पॉट में रिकॉर्ड 383 सहायता कर्मी मारे गए, जिनमें से आधे अकेले गाजा में मारे गए. संयुक्त राष्ट्र मानवीय कार्यालय ने मंगलवार को उन हज़ारों लोगों के सम्मान में आयोजित वार्षिक दिवस पर कहा कि 2024 में वैश्विक हॉटस्पॉट में रिकॉर्ड 383 सहायता कर्मी मारे गए. इनमें से लगभग आधे इजराइल और हमास के बीच युद्ध के दौरान गाजा में मारे गए.संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा कि रिकॉर्ड संख्या में हत्याएं, संघर्ष में फंसे नागरिकों और उनकी मदद करने की कोशिश कर रहे सभी लोगों की सुरक्षा के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए.फ्लेचर ने विश्व मानवता दिवस पर एक बयान में कहा, इस पैमाने पर, बिना किसी जवाबदेही के, हमले अंतरराष्ट्रीय निष्क्रियता और उदासीनता का शर्मनाक उदाहरण हैं.उन्होंने आगे कहा, मानवतावादी समुदाय के रूप में, हम एक बार फिर मांग करते हैं कि सत्ता और प्रभाव रखने वाले लोग मानवता के लिए काम करें, नागरिकों और सहायताकर्मियों की रक्षा करें और अपराधियों को जवाबदेह ठहराएं.गौर करें तो सहायता कर्मी सुरक्षा डेटाबेस साल 1997 से रिपोर्टें संकलित करता आ रहा है. उसके अनुसार, हत्याओं की संख्या 2023 में 293 से बढ़कर 2024 में 383 हो गई. इनमें गाजा में 180 से ज़्यादा मौतें शामिल हैं.संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) के अनुसार, मारे गए ज़्यादातर सहायता कर्मी अपने समुदायों की सेवा करने वाले राष्ट्रीय कर्मचारी थे. उन पर काम के दौरान या उनके घरों में हमला किया गया. ओसीएचए ने कहा कि इस साल अब तक, आंकड़ों में इस बढ़ती प्रवृत्ति के उलट होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है.

क्रीमिया और नाटो सदस्यता की उम्मीद छोड़ दे यूक्रेन, ट्रंप ने दिया जेलेंस्की को जोर का झटका

वाशिंगटन , 22 अगस्त [एजेंसी]।व्हाइट हाउस में बहुचर्चित बैठक से पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को एक और झटका दिया। कहा कि यूक्रेन नाटो की सदस्यता और क्रीमिया के वापस मिलने की उम्मीदें छोड़ दे।इससे पहले शनिवार को ट्रंप ने मीडिया के जरिये कहा था कि रूस बहुत बड़ी ताकत है और यूक्रेन में वैसी ताकत नहीं है, इसलिए यूक्रेन रूस के साथ शांति समझौता करे।ट्रंप तत्काल युद्धविराम की जगह पहले भूमि की अदलाबदली कर रूस के साथ शांति समझौता करने के लिए भी जेलेंस्की से कह चुके हैं। सोमवार को ट्रंप पहले जेलेंस्की के साथ बैठक की, उसके बाद वह ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, फिनलैंड, नाटो और यूरोपीय संघ के नेताओं से मिले।

सम्पादकीय...

केंद्र 'पुलिस स्टेशन' नहीं

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान के 130वें संशोधन वाले विधेयक लोकसभा में पेश किए। उनमें गंभीर और विवादास्पद प्रावधान किए गए हैं। दरअसल संविधान का बुनियादी सिद्धांत है कि जब तक किसी आरोपित को अदालत अपराधी या दोषी करार न दे, तब तक आरोपित व्यक्ति 'मासूम' है, 'निर्दोष' है, लेकिन प्रस्तावित बिल का विषय है कि कोई प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्य सरकार का मंत्री 30 दिन हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन वह संवैधानिक पद के 'अयोग्य' हो जाएगा। उसे इस्तीफा देना पड़ेगा अथवा बर्खास्त कर दिया जाएगा। इन प्रावधानों को विपक्ष ने संविधान-विरोधी, न्याय-विरोधी और मौलिक अधिकार-विरोधी करार दिया है, लिहाजा कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल की प्रतियां फाड़ीं और उन्हें सत्ता पक्ष की तरफ फेंका है। इसे 'राक्षसी बिल' भी करार दिया गया है। गृहमंत्री की दलील है कि यह बिल सरकार और राजनीति में नैतिकता और शुद्धिकरण के मद्देनजर लाया गया है। यह अर्द्धसत्य है, क्योंकि भाजपा में ऐसे कई नेता शामिल किए गए, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे थे, लेकिन बाद में एजेंसियों ने उन्हें धूमिल कर दिया। ऐसे नेता मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक हैं। बहरहाल संसद में हंगामे और विरोध को देखते हुए, संविधान संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की घोषणा की गई। समिति में 21 सांसद लोकसभा और 10 सांसद राज्यसभा के होंगे। बेशक अधिक सांसद सत्ता पक्ष के होंगे, लिहाजा बुनियादी बिल में ज्यादा संशोधनों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। जेपीसी को संसद के शीत सत्र के पहले दिन तक रपट सौंपने को कहा गया है। विषय का विश्लेषण करने से पूर्व एडीआर की रपट गौरतलब है कि 2024 के संसदीय चुनाव में जो सांसद लोकसभा के लिए चुने गए थे, उनमें से करीब 46 फीसदी पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में यह औसत 30 फीसदी था। सर्वोच्च अदालत के 'न्यायालय मित्र' ने उसे बताया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ करीब 5000 आपराधिक मामले अब भी लंबित हैं। इस डाटा के मद्देनजर भी ऐसा संविधान संशोधन बिल संसद में पेश करना अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। दरअसल केंद्र और राज्य सरकारों की अलग-अलग भूमिकाएं संविधान में तय की गई हैं। उनके अधिकार भी तय किए गए हैं। संघीय ढांचे पर आघात नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार 'पुलिस स्टेशन' की भूमिका में नहीं आ सकती। संभव है कि बिल बनाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का उदाहरण केंद्र सरकार और अधिकारियों के मानस में रहा होगा! केजरीवाल को 177 दिन तक जेल में रखा गया। उनके खिलाफ न तो आरोप अदालत में तय हुए और न ही किसी अदालत ने उन्हें 'दोषी' करार दिया। ऐसे कानूनों में संशोधन किया जाना चाहिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 5 माह तक जेल में बंद रखा गया। अंततः उन्हें जमानत मिली, लेकिन आज तक उनके खिलाफ कोई भी आरोप साबित नहीं किया जा सका है। दिल्ली सरकार के मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन को 2 साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया। अंततः सीबीआई ने उनके मामले में क्लोजर रपट अदालत में पेश की और जैन को बिल्कुल बरी कर दिया गया। इन जेलबंद नेताओं की 'निर्दोषता' की भरपाई कौन करेगा? केजरीवाल ने जेल में रहते हुए मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ा और जेल से ही सरकार चलाते रहे। संविधान में ऐसी व्याख्या ही नहीं है कि जेल में रहने वाले मुख्यमंत्री और मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए अथवा राज्यपाल द्वारा उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। सरकार ने प्रस्तावित बिल में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री को भी जोड़ा है। यह ड्रामा है। सवाल है कि कितने प्रधानमंत्री 30 दिन तक हिरासत में रखे गए हैं? प्रधानमंत्री रहते हुए पीवी नरसिम्हा राव को अदालत ने 'अभियुक्त' करार दिया था। उन्हें जेल क्यों नहीं भेजा गया? इंदिरा को जेल जाना पड़ा। कानून लागू हो जाता है, तो किसी भी विपक्षी दल की सरकार ढहाई जा सकती है।

गणेश जी का चालान

मृदुला श्रीवास्तव

'मुम्बई की अंधेरी वेस्ट की सडक़ पर गणेश-विसर्जन के अवसर पर लोग नाच-गा रहे हैं। 'आयो रे-आयो रे, म्हारो गणेश जी आयो रे। 'गणपति बाप्पा मोरया। अगले बरस तू जल्दी आ।' 'कह दिया न कि अब नहीं आऊंगा, धरती पर तुम्हारी।' गणेश जी रुआंसे होकर उस दिन कुछ ऐसा ही कह रहे थे। चालान का नोटिस तभी नारद जी ने पकड़ाया। गणेश जी का वाहन घोड़ा सरीखा हिनहिनाया। मूषक जी कुछ रुके। गणेश जी कुछ सहमे। 'क्या हुआ मेरी गाड़ी को? आगे न बढ़ती बढ़ भैया मूषक मेरे। एक्सयूवी थ्रीओओ मेरे लेटेस्ट मॉडल।' मूषक ने गर्दन मारी। 'पहले नोटिस पढ़ो। मुझे पता था यही होगा। तुम्हें जाना है जेल, तो जाओ। पर मुझे न तरसाओ। 'कितनी बार कहा था आगे की सीट पर बैठे हो, सीट बेल्ट लगा लो। तब बोले विघ्नहर्ता हूं। मेरा कोई कुछ न बिगाड़ेगा। पर श्रीमान गणेश जी! ट्रैफिक नियम तो सबके लिए हैं। आप कोई लाट साहब थोड़े ही लगे हो। 'बिना बेल्ट के चलोगे तो 2500 तो अब भरने ही होंगे। 'मैं तो न जाऊंगा कस्टडी में। 'चूहा हूं तो क्या हुआ। आखिर मेरी भी तो कोई इज्जत है कि नहीं 'उतरो आप इधरिच। नहीं तो लुढक़ा दूंगा।' गणेश जी घबराए। अपने विघ्न को दूर करने के लिए अब किस विघ्नहर्ता का आवाहन करूं? यह भी सोच रहे हैं कि अब अपनी सूंड मटकाऊं या लटकाऊं? 'कान पकड़े भैया, अब कभी बिना सीट बेल्ट लगाए, मूषक छोड़ो, चींटी तक की सवारी नहीं करूंगा। 'देखो जरा, एक्सयूवी थ्रीओओ के लेटेस्ट मॉडल भी मुंबई के इन ट्रैफिक पुलिस बनाम चाचू लोगों को प्रभावित नहीं कर पाते। तरस भी नहीं आता कि लाखों की मेरी इस गाड़ी के चालक मेरे मूषक जी हैं, पर नहीं, ठोक दिया चालान। पर्ची भिजवा दी नारद जी के हाथ। हे भगवान! मेरी रक्षा करो। मोदक खिलाऊंगा। 'ओह मैं तो खुद ही गणेश हूं।

मैं किससे कह रहा हूं। 'अरे! गणेश हुआ तो क्या हुआ? नियम तो नियम है भैया। 'माफ कर दो चाचू, कदम-कदम पर बनी इस पृथ्वी की अटल सडक़ योजना की हर सडक़ के नियम मानूंगा। मेरे पास तो आपको देने के लिए फूटी कौड़ी भी नहीं है। उफ, मेरे तो गहने भी मिट्टी के ही इन लोगों ने बनवाएं हैं। 'अरे भैया, थोड़ा सा तो सोना लगा देते। और अगर मुझे सजाना ही था तो असली सोने के गहने पहनाते, तो क्या चला जाता? विसर्जन के समय उतार लेते। कम से कम आज तो अपना जुर्माना भरने के लिए एक-आध आभूषण की रिश्वत ही दे देता। ' अरे मूषक जी, रुक जाओ भाया। ठहर जाओ। मैं भी आया', सोचते और कहते हुए गणेश जी अपने मूषक की पूंछ पकड़े-पकड़े इस धरती के सारे नियम-कानूनों को धता बता, खुद ही समुंदर को गंदला करते हुए, कब चुपके से, विसर्जन के लिए समुंदर में उतर लिए, पता ही नहीं चला। पीछे से भीड़ अभी भी चिल्ला रही थी। गणपति बाप्पा मोरया, बिना यह जाने कि अब तक तो गणेश जी जलमार्ग से अपने स्वर्ग की सीमा में कब का घुस लिए हैं।

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित-ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त असामान्य उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे— साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों —और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तरदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्च, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और नो गो क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में नो गो क्षेत्रों को लगभग 99 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है— हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे।

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है।

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्टम का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें।

राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेज़ी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली— सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है। एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिज़ाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मन की दौड़

पीके खुराना

गौतम बुद्ध से जुड़ी एक कथा बहुत शिक्षाप्रद है। उनके सभी शिष्य उनके आसपास बैठे थे, तभी गांव का एक व्यक्ति आया और महात्मा बुद्ध को प्रणाम करने के बाद बोला कि हे भंते, मेरा विश्वास है कि भगवान हैं, भगवान ही इस दुनिया को चलाते हैं और उनकी मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता। कृपया बताइये कि इस बारे में आपका क्या ख्याल है? महात्मा बुद्ध अपनी चिर-परिचित शैली में मुस्कुराए और बहुत ही शांत स्वर में बोले कि तुम ठीक कहते हो। भगवान तो हैं ही, वे ही पालनहार हैं, सर्वशक्तिमान हैं, सर्वव्यापी हैं और वे ही दुनिया को चला रहे हैं। उस व्यक्ति ने प्रणाम किया और खुश होकर चला गया। कुछ देर बाद एक और व्यक्ति आया और उसने कहा कि मेरा पक्का विश्वास है भगवान-वगवान सब झूठी बातें हैं, दिखावा है, भ्रम है और लोगों को बेवकूफ बनाने का एक जरिया है। यह सिर्फ अंधविश्वास है और मनुष्य के पतन का कारण है। आप क्या कहते हैं। बुद्ध फिर मुस्कुराए और उतनी ही शांति से बोले कि मित्र तुम ठीक कहते हो। लोग भ्रम में पड़े हैं, अंधविश्वास का शिकार हैं और यूं ही मंदिरों-तीर्थों के चक्कर काट रहे हैं। उस व्यक्ति ने भी बुद्ध को प्रणाम किया और खुश होकर चला गया। कुछ और देर बीती तो एक और व्यक्ति आया। उसने बुद्ध को प्रणाम किया और चुपचाप उनके चरणों में बैठ गया। वह लगातार वैसे ही बैठा रहा। कुछ देर बाद महात्मा बुद्ध ने अपनी मीठी मुस्कान के साथ बड़े प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरा। वह व्यक्ति बड़ी श्रद्धा से उनके चरणों में झुका और बोला कि मैं धन्य हुआ, मुझे अपने सवाल का जवाब मिल गया। इतना कहकर वह भी खुशी-खुशी चला गया। गौतम बुद्ध के इस अनोखे व्यवहार से उनके शिष्य असमंजस में पड़ गए। महात्मा बुद्ध का व्यवहार उनकी समझ में नहीं आ रहा था। दो व्यक्तियों का सवाल एक ही था, पर उत्तर बिल्कुल अलग-अलग थे, और सिर्फ अलग ही नहीं थे, बल्कि एक-दूसरे के विपरीत थे।

यही नहीं, तीसरे व्यक्ति ने न कुछ पूछा न बुद्ध ने कुछ बताया, फिर भी वह यह कहकर गया कि उसे उसके सवाल का जवाब मिल गया। उनके प्रधान शिष्य आनंद से आखिर रहा नहीं गया और उसने बुद्ध के सामने अपनी जिज्ञासा प्रकट कर ही दी। तब बुद्ध ने अपने शिष्यों की शंका का समाधान करते हुए कहा कि पहले दो व्यक्ति खुद को बुद्धिमान मानते थे, वे अपने ही पूर्वाग्रहों से ग्रस्त थे और वे कुछ जानने के लिए नहीं आए थे, बल्कि अपने विचारों की पुष्टि चाहते थे। यह स्पष्ट है कि अभी वे सीखने के लिए तैयार ही नहीं थे, वे सीखने के योग्य पात्र ही नहीं थे, इसलिए मैंने उन्हें कुछ सिखाने या बताने की कोशिश नहीं की। मैंने उनके विचारों का समर्थन सिर्फ इसलिए किया ताकि वे जब कभी सीखने के योग्य बनें तो अपनी इसी गलती को दोबारा न दोहराएं। जो तीसरा व्यक्ति आया, वह शांति से बैठा रहा, यहां व्याप्त शांत तरंगों से अपने विचारों को शुद्ध करता रहा, और अंततः समझ गया कि सत्संग और मौन भक्ति के दो महत्वपूर्ण शुरुआती चरण हैं। आज वह मौन का पाठ पढ़ कर गया है। मौन की साधना ने उसके मन को स्थिर किया है। वह अपनी खोज जारी रखने में समर्थ हो गया है। यह सच है कि अभी उसकी खोज पूरी नहीं हुई, पर वह दृढ़ कदमों से खोज की राह पर निकल चुका है। इसके बाद महात्मा बुद्ध ने जो आगे कहा, वह भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। महात्मा बुद्ध ने कहा कि हमारा मन जब अहंकार से ग्रसित होता है तो वह सत्य नहीं चाहता, वह सत्य की खोज का जिज्ञासू नहीं होता, वह अपने ही विचारों का समर्थन चाहता है। हम अपने अहंकार को पोषित करते रहना चाहते हैं। मन की दौड़ बस यहीं तक है। यहां तक कि यदि कोई व्यक्ति हमें पसंद हो और वह हमसे बार-बार, लगातार असहमत होता रहे तो धीरे-धीरे हम उसे नापसंद करना शुरू कर देते हैं। इसके विपरीत यदि कोई व्यक्ति बुद्धिहीन हो, या हमें नापसंद हो लेकिन वह लगातार हमारी बातों से सहमति जताता रहे तो धीरे-धीरे ऐसी स्थिति आ ही जाती है कि हमारी नापसंदगी दूर हो जाती है और हम उसकी सारी खामियों के बावजूद उसे पसंद करना शुरू कर देते हैं। मन की दौड़ का आलम यह है कि यदि किसी भी विषय पर हमारी कोई एक निश्चित विचारधारा हो तो हमारे सामने कोई ऐसे नए तथ्य आएं जो हमारी स्थापित विचारधारा के विपरीत हों तो हम इस कोशिश में जुट जाते हैं कि अपने स्थापित विचारों के समर्थन में हम क्या कर सकते हैं।

यानी, हम तथ्य होने के बावजूद नए तथ्यों को स्वीकार करने के बजाय हमारी पहली कोशिश यही होती है कि हम अपनी स्थापित विचारधारा को ही सही सिद्ध कर सकें। इस पर भी तुर्रा यह कि यदि नए विचार किसी ऐसे व्यक्ति के माध्यम से आए हों जो व्यक्ति हमें नापसंद हो तो हम नए विचारों को बिना जांचे-परखे ही अस्वीकार कर देते हैं, फिर तो हम अक्सर उन्हें समझने, जानने या जांचने की कोशिश तक भी नहीं करते। मजे की बात यह है कि वही नए तथ्य, जो हमारे स्थापित विश्वास के अनुरूप नहीं थे, यदि हमें कोई ऐसा व्यक्ति बताए जिसे हम बहुत पसंद करते हैं तो अक्सर हम अपने विचार बदल लेते हैं। यानी, विचारधारा बदलने में या विचारों को बदलने में जो भूमिका दरअसल तथ्यों की होनी चाहिए थी, वह पसंदगी और नापसंदगी को हासिल है, विश्वास और अविश्वास को हासिल है। हम तथ्यों के कारण विचार नहीं बदलते, अपनी पसंद वाले व्यक्ति के कारण विचार बदलते हैं, किसी ऐसे व्यक्ति के कारण विचार बदल लेते हैं जिस पर हमें विश्वास हो।

(यह लेखक के अपने विचार है)

डोनाल्ड ट्रंप को कैसे हैंडल करें

हरिशंकर व्यास

ऐसा लग रहा है कि पूरी दुनिया में इस समय सबसे बड़ी चिंता यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे हैंडल करें। सब अपने अपने तरीके बता रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों उनके बहुत गहरे दोस्त हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि वे मोदी को बताएंगे कि ट्रंप को कैसे हैंडल करें। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह बात मीडिया के जरिए नहीं, बल्कि निजी बातचीत में बताएंगे कि कैसे ट्रंप को हैंडल करें। सोचें, एक राष्ट्र का प्रधानमंत्री दूसरे देश के प्रधानमंत्री को बताएगा कि एक तीसरे देश के राष्ट्रपति को कैसे हैंडल किया जाएगा। पहले कभी इस किस्म की बात सुनने को नहीं मिली।

इसी तरह जिस समय नेतन्याहू ने यह बात कही लगभग उसी समय ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया था। लूला और प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत का मुद्दा यह था कि राष्ट्रपति ट्रंप को कैसे हैंडल करें। ध्यान रहे राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ दिन पहले कहा था कि लूला डी सिल्वा जब कहें तब वे उनसे बात करने को तैयार हैं। लेकिन लूला ने कहा कि वे ट्रंप से नहीं मोदी से बात करें। माना जा रहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री दोनों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से निपटने या उनको हैंडल करने के बारे में बात की। दोनों की एक रणनीति दिख रही है कि अभी ट्रंप के दबाव के आगे नहीं झुकना है और अभी चुप रहना है। हो सकता है कि ट्रंप को हैंडल करने की यह रणनीति उससे अलग हो जो नेतन्याहू ने मोदी को बताने का वादा किया है।

बहरहाल, इस महीने के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के दौरे पर जा सकते हैं, जहां शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक से इतर उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग से दोपक्षीय वार्ता हो सकती है। एससीओ सम्मेलन के दौरान चीन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मोदी को मिलेंगे। बाद में पुतिन भारत के दौरे पर भी आने वाले हैं। माना जा रहा है कि चीन में राष्ट्रपति शी जिनफिंग, राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी इस बात पर विचार करेंगे कि ट्रंप को कैसे हैंडल किया जाए। वैसे जिनफिंग और पुतिन ने अपने हिसाब से हैंडल किया हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप चीन पर टैरिफ नहीं बढ़ा रहे हैं, जबकि वह रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहा है। लेकिन उससे कम तेल खरीदने वाले भारत पर उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। हो सकता है कि जिनफिंग समझाएं मोदी को कि उन्होंने कैसे यह किया है। वैसे यह सिर्फ भारत, चीन, रूस या ब्राजील का मामला नहीं है। यूरोपीय संघ के नेता भी इस फिक्र में हैं कि ट्रंप को कैसे हैंडल करें तो जापान और दक्षिण कोरिया के नेता भी परेशान हैं।

पंजाब में फंस रही है आम आदमी पार्टी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

आम आदमी पार्टी पंजाब में लगता है दिन-प्रतिदिन दलदल में धंसती जा रही है। दिल्ली का अड्डा उखड़ जाने के बाद केजरीवाल ने अपने कुछ गिने चुने साथियों के साथ पंजाब में ही डेरा जमा लिया था। लेकिन केजरीवाल की लालसा दिल्ली, पंजाब से संतुष्ट होने वाली तो है नहीं। वे अपनी पार्टी को क्षेत्रीय पार्टी भी नहीं मानते। उनकी दृष्टि में भाजपा के बाद उनकी पार्टी ही एक मात्र राष्ट्रीय पार्टी है। वे राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। इस लिहाज से वे मोदी की टक्कर के नेता हैं। उन्हें भारत का प्रधानमंत्री बनना है। इसके लिए उन्हें और उनकी पार्टी को पैसे की जरूरत थी। दिल्ली में इसके लिए विशेष शराब नीति बनाई गई। एक बोतल के साथ दूसरी बोतल मुफ्त। लेकिन जब हो हल्ला हुआ तो नीति को बीच रास्ते छोड़ दिया गया। यह हो हल्ला कानून का ही था। कानून का हो हल्ला खतरनाक होता है। बीच रास्ते नीति छोड़ देने के बाद भी होता रहता है। यही कारण है कि केजरीवाल और उनके दूसरे साथी मनीष सिसोदिया को लंबे अरसे तक जेल में रहना पड़ा। अभी भी जमानत पर ही छूटे हुए हैं। इससे भी ज्यादा नुकसान तो तब हुआ जब इस शराब घोटाले के कारण दिल्ली विधानसभा का चुनाव तक हार गए। उस हार की वजह से केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने पंजाब में डेरा जमा लिया। पहले केजरीवाल दिल्ली से छलांग लगा कर प्रधानमंत्री बनना चाहते थे और अब पंजाब से छलांग लगा कर प्रधानमंत्री का सपना पालने लगे। लेकिन दिल्ली में लगी पैसे की लत छूट नहीं रही थी। उसके लिए कोई रास्ता निकालना जरूरी था। पंजाब में इसके लिए एक नई नीति बनाई गई जिसका नाम रखा गया 'लैंड पूलिंग नीति'।

इस नई नीति के अनुसार सरकार को पांच-छह जिलों के किसानों की 65 हजार से भी ज्यादा उपजाऊ जमीन पंजाब सरकार ने काबू करनी थी। यह जमीन किसानों से लेकर बिल्डर्स को नई-नई कालोनियां बनाने के लिए दी जाने वाली थी। लेकिन खूबसूरती यह थी कि इसके लिए किसानों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाना था। किसानों को दिल्ली की शैली में समझाने की कोशिश की जा रही थी कि आपको जमीन के बदले में एक या दो प्लाट दिए जाएंगे। यानी मेरी एक एकड़ जमीन लेकर मुझे उसी जमीन में से एक प्लाट दिया जाएगा। इस प्लाट पर मैं दुकान खोल सकता था, घर बना सकता था। सरकार का कहना था कि इन प्लाटों की कीमत एक एकड़ की कीमत से कहीं ज्यादा होने वाली थी, क्योंकि अब यह प्लाट किसी विकसित कालोनी का हिस्सा बनने वाले थे। यानी सरकार का कहना था कि यह खेती बेकार का काम था, किसानों को चाहिए कि वे नई विकसित कालोनियों में अपनी दुकानें खोलें और खूब पैसा कमाएं। यह आम आदमी पार्टी की पंजाब में किसानों की भलाई के लिए लागू की जाने वाली किसान भलाई स्कीम थी। दिल्ली में शराबियों के लिए 'शराब भलाई स्कीम' के फेल हो जाने के बाद पंजाब में यह नई 'किसान भलाई स्कीम' लागू की गई थी। लेकिन भीतर की बात जानने का दावा करने वाले कह रहे थे कि 'शराब भलाई स्कीम' की तरह ही यह पंजाब में बिल्डर्स माफिया से पैसा वसूलने का केजरीवाल का तरीका है। लेकिन मान लो किसान अपनी जमीनें सरकार को देकर, खेती का काम छोड़ कर दुकानें भी खोल लें तो भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न बचता था। गांव में इस जमीन पर मजदूरी का काम काम करके आजीविका चलाने वाला भी एक वर्ग होता है। इसी जमीन के लिए किसानों की अन्य जरूरतें पूरी करने वाले कुछ बढ़ई, लोहार इत्यादि भी होते हैं। किसान तो जमीन देकर दुकानदार बन जाएगा लेकिन किसान की जमीन पर आश्रित ये बाकी लोग कहां जाएंगे? इसका उत्तर देने की जरूरत शायद केजरीवाल जरूरी नहीं समझते। लेकिन पंजाब के किसान शायद केजरीवाल की इस किसान भलाई स्कीम को समझ नहीं पाए। वैसे भी केजरीवाल की स्कीमों को समझने के लिए बुद्धि से ज्यादा चतुराई चाहिए। केजरीवाल को प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास व डां आनंद कुमार जैसे लोग नहीं समझ पाए थे। जब तक समझ पाते तब तक वे इन सभी को पार्टी से बाहर निकाल चुके थे। जिस केजरीवाल की भीतरी चतुराइयों को अन्ना हजारे नहीं समझ पाए, उसे पंजाब के सीधे-साधे निश्छल किसान कहां समझ पाएंगे? यही सोच कर भगवंत मान की सरकार ने किसानों पर लैंड पूलिंग पालिसी का जाल फेंका था। लेकिन पंजाब का किसान समझ गया कि शिकारी ने जाल फेंका है। पंजाब का किसान एक बार इस जाल में फंस चुका था और केजरीवाल को पंजाब में विधानसभा की 92 सीटें दे दी थीं। परंतु काठ की हांडी चूल्हे पर एक बार चढ़ती है, बार-बार नहीं चढ़ती। किसानों ने गांव के बाहर जगह-जगह बोर्ड लगा दिए, केजरीवाल की पार्टी का कोई आदमी गांव में न आए। उनका प्रवेश वर्जित है। भगवंत मान अपने चुटकुले सुना कर किसानों को धोखा देने की कोशिश करते करते स्वयं ही चुटकुला बनने की स्थिति में पहुंचने लगे। पहले तो वे अपने गांव की कहानियां सुनाया करते थे कि किसान अपनी जमीन की रक्षा के लिए कत्ल करने से भी नहीं चूकता, लेकिन अब वे यह समझाने लगे कि दुकानदारी के क्या क्या फायदे हैं। यह फायदे शायद उन्हें केजरीवाल ही बताते होंगे, क्योंकि भगवंत मान तो आज तक भी यही समझाते रहते थे कि किसान खेती कैसे करता है। लेकिन अब वे पंजाब के किसानों को नया पाठ पढ़ा रहे थे। यह वह पाठ था जिसे याद करने में शायद भगवंत मान के भी पसीने छूट रहे थे। लेकिन किस्सा कोताह यह कि अंत में दिल्ली की शराब नीति की तरह पंजाब में यह किसान भलाई नीति भी सरकार को वापस लेनी पड़ी। आंखों में आंसू ला देने वाला प्याज भी खाना पड़ा और सजा भी भुगतनी पड़ी। सबसे बड़ी बात यह कि पंजाब के आगे आम आदमी का भीतरी पर्दा भी नंगा हो गया, हाथी के दांतों की तरह दो खाने के और होते हैं और दिखाने के लिए और होते हैं। पंजाब ने पहली बार केजरीवाल के खाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले असली तीखे दांत देखे थे। जाहिर है भरी सभा में किसी का पर्दा उठ जाए और उसकी असलियत सामने आ जाए तो उसे अपने भविष्य की चिंता सताने लगती है। लैंड पूलिंग नीति का पर्दा खुल जाने के बाद यही चिंता केजरीवाल को सताने लगी। कुछ महीनों बाद ही पंजाब विधानसभा के लिए चुनाव होने वाले हैं। पार्टी के तीखे और खतरनाक दांत, जिनसे सचमुच खाया जाता है, लोगों ने देख लिए हैं। इसलिए आने वाले चुनावों में कहीं दिल्ली की तरह पंजाब भी केजरीवाल को अर्श से फर्श पर तो नहीं ले आएगा? यदि लैंड पूलिंग नीति के चक्कर में किसान फंस जाते तो चुनाव जीतने की संभावना बढ़ जाती। लेकिन उस नीति को तो किसानों ने छूने से भी इंकार कर दिया था। अब चुनाव कैसे जीते जाएं? इसके लिए आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लिए नई नीति अपनाई। पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, जिन्होंने पंजाब को संभाल लेने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली है, उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को एक अंदरूनी बैठक में यह नई नीति समझाई।

(यह लेखक के अपने विचार है)

हजारीबाग में तेजी से फल-फूल रहा देह व्यापार का धंधा बड़े होटलों से लेकर छोटे रेस्टोरेंट तक लगता है जमावड़ा

हजारीबाग, 22 अगस्त [एजेंसी]। जिले में देह व्यापार का जाल दिनोंदिन फैलता जा रहा है। शहर के कई बड़े होटलों में खुलेआम देह व्यापार का कारोबार चल रहा है। इसमें होटल संचालकों की सीधी मिलीभगत सामने आ रही है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए होटलों में विशेष आफर तक दिए जा रहे हैं। कई होटलों में प्रेम- प्रेमिकाओं के लिए अलग से विशेष कमरे बनाए गए हैं, वहीं डार्क रूम की व्यवस्था भी की गई है।सूत्रों के मुताबिक, इन होटलों में कालेज के युवक-युवतियों की बड़ी संख्या में आमद होती है। यहां न सिर्फ प्रेमी जोड़े समय बिताने आते हैं, बल्कि देह व्यापार के जरिए मोटी कमाई का खेल भी चलता है।स्थानीय स्तर पर शहर में भी कई ऐसे होटल हैं, जो सिर्फ इस कारोबार से ही टिके हुए हैं। एक होटल संचालक ने नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार किया कि होटल का खर्चा रूम सर्विस से नहीं बल्कि स्पेशल गेस्ट से निकलता है। पूर्व में हजारीबाग के ही एक प्रतिष्ठित होटल का मामला खूब सुर्खियों में आया था, जहां देह व्यापार के नाम पर पत्नियों की अदला- बदली तक की घटना वायरल हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस ने जांच तो शुरू की थी, परंतु कार्रवाई के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। यही वजह है कि अब यह कारोबार और बेखौफ तरीके से फल-फूल रहा है। शहर से लगे एनएच पर भी यह धंधा दिनदहाड़े चल रहा है। हाईवे किनारे कई होटलों और ढाबों में खुलेआम यह कारोबार चलता है। रात की बात तो दूर, अब दिन में भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है।खाली पड़े होटल और लॉज का खर्चा भी इसी धंधे से निकाला जा रहा है। पूर्व में इस धंधे में बंगाल से युवतियों को बुलाया जाता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। जानकारी के अनुसार, अब इसमें छात्राओं से लेकर हास्टल में रहने वाली युवतियां और यहां तक कि घरेलू महिलाएं भी शामिल हो रही हैं। पैसों और ग्लैमर के चक्कर में कई महिलाएं इस दलदल में उतर रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन की चुप्पी इस धंधे को बढ़ावा दे रही है। होटल संचालक, बिचौलिए और ग्राहक सबकी मिलीभगत से यह कारोबार बिना किसी डर के चल रहा है। सवाल उठता है कि जब यह कारोबार शहर के प्रमुख इलाकों और राष्ट्रीय राजमार्ग तक फैल चुका है, तब प्रशासन कब तक आंख मूंदे रहेगा ।

भारतीय वायुसेना की ताकत होगी दोगुनी, केंद्र ने 97 स्वदेशी लड़ाकू विमानों की खरीद को दी मंजूरी, यहां होगा उत्पादन

नईदिल्ली, 22 अगस्त [एजेंसी]। केंद्र सरकार शुक्रवार को भारत के सबसे बड़े रक्षा अनुबंध 62,000 करोड़ को मंजूरी दे दी है। सरकार भारतीय वायुसेना के लिए 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमानों की खरीद करेगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड इन लड़ाकू विमानों का उत्पादन करेगा। सरकार का यह कदम आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा प्रयास है।यह एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमानों के लिए दूसरा ऑर्डर होगा, क्योंकि सरकार कुछ साल पहले ही लगभग 48,000 करोड़ रुपये में 83 विमानों के ऑर्डर दे चुकी है। रक्षा सूत्रों ने एएनआई ने बताया कि इस कार्यक्रम से भारतीय वायुसेना को अपने मिग-21 विमानों के बेड़े को बदलने में मदद मिलेगी, जिन्हें सरकार अगले कुछ हफ्तों में चरणबद्ध तरीके से हटा रही है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय और वायुसेना मुख्यालय द्वारा पूर्णत: समर्थित स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम, स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश भर में रक्षा व्यवसाय में लगे छोटे और मध्यम उद्यमों को बड़ा व्यवसाय प्रदान करने में एक बड़ा योगदान देगा।बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एचएएल के पुनरुद्धार पर जोर दे रहे हैं, जिसने उनकी सरकार के तहत सभी प्रकार के स्वदेशी लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और उनके इंजनों के निर्माण के ऑर्डर प्राप्त किए हैं।

प्रधानमंत्री ने स्वदेशी लड़ाकू विमान के प्रशिक्षक संस्करण में भी उड़ान भरी थी, जो किसी भी लड़ाकू विमान में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा की गई पहली उड़ान थी। 97 और एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमान खरीदने की योजना की घोषणा भी सबसे पहले तत्कालीन वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने स्पेन में विदेशी धरती पर की थी, जब उन्होंने एएनआई को स्वदेशी लड़ाकू विमानों के ऑर्डर बढ़ाने की बड़ी योजनाओं के बारे में बताया था। एलसीए मार्क 1ए विमान में वायु सेना को आपूर्ति किए जा रहे शुरुआती 40 एलसीए विमानों की तुलना में अधिक उन्नत एवियोनिक्स और रडार हैं।

नए एलसीए मार्क 1ए में स्वदेशी सामग्री 65 प्रतिशत से अधिक होगी।

भारत-चीन में सीमा विवाद सुलझाने पर सहमति

नईदिल्ली, 22 अगस्त [एजेंसी]। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद का स्थाई हल निकालने पर विमर्श करने के लिए विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तर की 24वें दौर की वार्ता मंगलवार को संपन्न हुआ। वार्ता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में कोई समाधान तो नहीं निकला लेकिन भारत-चीन सीमा विवाद को सुलझाने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर चिन्हित किया गया है।एसआर स्तर की यह वार्ता वर्ष 2019 के बाद नहीं हुई थी लेकिन पिछले आठ महीनों में यह दूसरी बैठक थी। यह बताता है कि वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीनी सैनिकों की घुसपैठ से जो स्थिति बनी थी, उससे आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति दोनों तरफ से दिखाई जा रही है। इस बैठक में मुख्य रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखने, सैन्य तनाव को कम करने, और आपसी भरोसे को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। डोभाल ने कहा कि पिछले अक्टूबर में रूस के कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के बाद बनी सहमति ने दोनों देशों को नई दिशा दी है। उन्होंने जोर दिया कि पिछले नौ महीनों से सीमा पर शांति बनी हुई है, जिससे दोनों देशों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति का अवसर मिला है।एनएसए ने अपने भाषण में यह जानकारी दी कि पीएम मोदी शीघ्र ही चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं। इसी तरह से वांग यी ने स्वीकार किया कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में आई रुकावटें दोनों के हित में नहीं थीं।उन्होंने कहा कि अब समय है कि दोनों पक्ष भरोसा और सहयोग बढ़ाएं। बैठक में सीमा प्रबंधन को बेहतर बनाने, तनाव को रोकने, और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। वांग यी ने कहा कि चीन पीएम नरेन्द्र मोदी की आगामी चीन यात्रा को काफी महत्वपूर्ण मानता है। मोदी चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने वाले हैं।डोभाल ने इस अवसर पर भविष्य में रचनात्मक संवाद को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। यह वार्ता प्रधानमंत्री मोदी की आगामी तियानजिन में होने वाली एससीओ शिखर सम्मेलन की यात्रा से पहले हुई, जो दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय संवाद को और मजबूत कर सकती है।इस बैठक में कोई समाधान तो नहीं निकला लेकिन भारत-चीन सीमा विवाद को सुलझाने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर चिन्हित किया गया है।एसआर स्तर की यह वार्ता वर्ष 2019 के बाद नहीं हुई थी

झारखंड में महंगी हो सकती है बिजली, टैरिफ रिव्यू याचिका पर सुनवाई के बाद आएगा फैसला

रांची,22 अगस्त (एजेंसी)। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने झारखंड राज्य विद्युत विनियामक आयोग (जेएसईआरसी) द्वारा 30 अप्रैल को जारी टैरिफ आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की है।यह याचिका वित्तीय वर्ष 2023-24 के ट्रू-अप, 2024-25 की वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा (एपीआर) और 2025-26 की वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) व टैरिफ निर्धारण से संबंधित है।आयोग ने इस याचिका पर 10 अक्टूबर तक सुनवाई तय की है, जिसमें जेबीवीएनएल का पक्ष सुना जाएगा और इसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। फिलहाल, एक मई से लागू टैरिफ दरें प्रभावी हैं। 30 अप्रैल को जेएसईआरसी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए टैरिफ दरों की घोषणा की थी। इसमें शहरी उपभोक्ताओं के लिए प्रति यूनिट 20 पैसे और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए प्रति यूनिट 40 पैसे की वृद्धि की गई थी। कुल मिलाकर बिजली टैरिफ में 6.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई, जो एक मई 2025 से लागू है। हालांकि, जेबीवीएनएल ने 40.02 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि का प्रस्ताव दिया था, जिसे आयोग ने अस्वीकार कर केवल 6.34 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी। जेबीवीएनएल ने प्रति यूनिट आठ रुपये की दर की मांग की थी, जबकि आयोग ने 6.85 रुपये प्रति यूनिट की दर स्वीकृत की। इस निर्णय से असंतुष्ट होकर जेबीवीएनएल ने पुनर्विचार याचिका दायर की है।जेबीवीएनएल ने अपनी याचिका में आयोग से विभिन्न बिंदुओं पर पुनर्विचार कर संशोधित आदेश जारी करने की मांग की है। निगम का तर्क है कि प्रस्तावित संशोधन न केवल उनकी वित्तीय स्थिति को मजबूत करेंगे, बल्कि उपभोक्ताओं को पारदर्शी और न्यायसंगत दरों का लाभ भी प्रदान करेंगे।निगम ने दावा किया है कि मौजूदा टैरिफ दरें उनकी परिचालन लागत और वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में अपर्याप्त हैं। आयोग द्वारा सुनवाई के बाद यह तय होगा कि टैरिफ दरों में कोई बदलाव होगा या मौजूदा दरें बरकरार रहेंगी।उपभोक्ताओं और निगम, दोनों के लिए यह सुनवाई महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका असर बिजली की लागत और निगम की वित्तीय स्थिरता पर पड़ेगा। फिलहाल, उपभोक्ताओं को मौजूदा टैरिफ दरों के अनुसार बिजली बिल का भुगतान करना होगा। इस मामले में आयोग का अंतिम फैसला उपभोक्ताओं और बिजली वितरण निगम के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्य विद्युत नियामक आयोग (जेएसईआरसी) ने विद्युत अधिनियम 2003 के तहत नए ड्राफ्ट नियमों पर सार्वजनिक सुनवाई की तारीख घोषित की है। आयोग 25 अगस्त को ड्राफ्ट जेएसईआरसी (टर्म्स एंड कंडीशंस फार डिटरमिनेशन आफ जेनेरेशन टैरिफ) रेगुलेशंस 2025 पर सुनवाई करेगा।जेनरेशन टैरिफ पर चर्चा दोपहर 12:30 बजे से और ट्रांसमिशन टैरिफ पर 1:30 बजे से शुरू होगी। आयोग हर पांच साल में इस प्रक्रिया को दोहराता है, जिसमें नए नियम बनाए जाते हैं और पुराने नियमों को आवश्यकतानुसार लागू रखा जाता है।जेएसईआरसी ने सभी हितधारकों, उपभोक्ताओं और विशेषज्ञों से अपील की है कि वे इस जनसुनवाई में शामिल होकर अपने सुझाव और आपत्तियां प्रस्तुत करें। यह सुनवाई बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन टैरिफ निर्धारण में पारदर्शिता और जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

हिमाचल में तबाही...बादल फटने से कुल्लू-मंडी में भारी तबाही, जम्मू-कश्मीर में मरने वालों की संख्या पहुंची 66

शिमला, 22 अगस्त [एजेंसी]। प्रदेश में वर्षा, भूस्खलन व बादल फटने से काफी नुकसान हो रहा है। भुभु जोत में बादल फटने से मंडी की चौहारघाटी व कुल्लू जिला की लगवैली में बाढ़ आ गई। भुभु जोत की पहाड़ी पर बादल फटने से पानी दो भागों में बंट गया। इस आपदा से चौहारघाटी की पंचायत तरसावण, सिल्हबुधाणी के अलावा कुल्लू की लगघाटी के कड़ौण, तेलंग सहित कई गांव प्रभावित हुए हैं। बिलासपुर जिले के थापना में टनल नंबर दो के पास हुए भूस्खलन से कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन हाईवे बंद हो गया है। सोमवार देर रात डेढ़ बजे सिल्हबुधाणी पंचायत के कोरतंग व कुंगड़ी नाले में आई बाढ़ से एक दुकान, पांच पैदल पुल, दो मछली फार्म व देव कपलधार गहरी मंदिर की सराय बह गई।कुल्लू की लगघाटी में आई बाढ़ में दो पुल, दो मकान, तीन दुकानें और एक बाइक बह गए। वहीं जिला किन्नौर में किन्नौर कैलास यात्रा पर गए एक और श्रद्धालु की मौत हो गई। मृतक की पहचान गौरव पुत्र दिलीप कुमार निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई है। जिला प्रशासन ने यात्रा पर रोक लगा दी है। कुल्लू जिले की मणिकर्ण घाटी के रशोल गांव में भूस्खलन की चपेट में आने से 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। डबराणी में बदहाल गंगोत्री हाईवे पर भूस्खलन की चपेट में आकर दो युवकों की मृत्यु हो गई। 15 दिनों से बंद हाईवे की बहाली को पहाड़ी पर नई कटिंग कर सड़क बनाई जा रही है। पांच अगस्त को धराली में आई आपदा के बाद क्षतिग्रस्त हाईवे को शुरू करने के लिए मंगलवार को कटिंग का काम अंतिम चरण में था।इस बीच शाम को सात युवकों का एक दल पहले पैच में कटिंग लगभग पूरी होने की जानकारी पाकर यहां से गुजरने लगा। भूस्खलन की चपेट में आकर सुक्की गांव निवासी अरुण(29) व मनीष (24) दब गए। दोनों के शव निकाल लिए गए हैं।आपदा प्रभावित धराली और हर्षिल में जनजीवन को फिर से पटरी पर लाने के लिए सरकारी मशीनरी ने चौतरफा ताकत झोंक रखी है। इस कड़ी में हर्षिल क्षेत्र में भागीरथी नदी में बनी झील को सेना के बैकहो लोडर से चैनलाइज करने का काम शुरू हो गया है। उधर पिथौरागढ़ जिले में आधी रात के बाद मकान पर बोल्डर गिरने से बालक की मौत हो गई और मां समेत चार सदस्य घायल हो गए। अल्मोड़ा जिले के काकड़ीघाट क्षेत्र में पैर फिसलने से कोसी नदी में स्थानीय निवासी 42 वर्षीय दान सिंह बह गया। वहीं चमोली के कोठी गांव के पास पिंडर नदी में फंसी गाय को बचाने के प्रयास में एनडीआरएफ जवान सुरेंद्र नौटियाल (30) की डूबने से मौत हो गई। उनका शव बरामद कर लिया गया है। जम्मू संभाग के किश्तवाड़ जिले के चशोती गांव में बादल फटने से हुई त्रासदी में छह दिन बाद मंगलवार को मलबे में दबे दो और शव बरामद हुए हैं। इसके साथ ही चशोती त्रासदी में मरने वालों की संख्या 66 हो गई है। अभी भी कई लोग लापता हैं, जिनका पता लगाने के लिए सेना, सीआरपीएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी जुटे हुए हैं। एनडीआरएफ की तरफ से और सेना की तरफ से तरह तरह के उपकरण इस्तेमाल किए जा रहे हैं। वहीं, मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में वर्षा की संभावना जताई है।विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 23 से 25 अगस्त के बीच तेज बारिश से बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं हो सकती हैं। लोगों को सलाह दी गई है कि वे नदियों, नालों, जलस्त्रोतों और कच्चे मकानों से दूर रहें। वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि किश्तवाड़ त्रासदी में लापता लोगों के जीवित मिलने की संभावना अब बहुत कम है। सरकार का प्रयास है कि मलबे में दबे शवों को निकाला जाए, ताकि उन्हें उनके परिवारों को सौंपा जा सके और वे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर सकें।

पहाड़ों पर वर्षा के कारण पंजाब में भाखड़ा बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) ने दो वर्ष बाद मंगलवार दोपहर बांध के चार फ्लड गेट खोल दिए। इनसे करीब 45 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। रूपनगर के डीसी वरजीत वालिया ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। इसमें से आधा पानी सतलुज दरिया व आधा नहरों में जाएगा।

पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग जिले में एनएच 10 पर भारी वर्षा के कारण हुए भूस्खलन के बाद मलबे के पास लोग।

आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं एलन मस्क की पूर्व पत्नी, अब करेंगी यह काम

नई दिल्ली,22 अगस्त (एजेंसी)। एलन मस्क की पूर्व पत्नी एशले सेंट क्लेयर ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर कहा कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं और उनका करियर पूरी तरह से तबाह हो चुका है। वहीं, अपनी जीविका चलाने के लिए उन्होंने एक पॉडकास्ट शुरू किया है। एशले सेंट क्लेयर ने अपने नए पॉडकास्ट लॉन्च के दौरान आर्थिक तंगी की घोषणा की।26 वर्षीय एशले बेटे रोमुलस को लेकर टेस्ला के सीईओ के साथ अपनी कस्टडी की लड़ाई में उलझी हुई हैं। उन्होंने पॉडकास्ट की शुरुआत यह कहकर की कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं, जबकि ऐसी खबरें हैं कि मस्क ने उन्हें काफी आर्थिक मदद दी है। ऐसी खबरें आई थीं कि मस्क ने अपने बेटे के जन्म का राज छुपाने के लिए एशले को 1.5 करोड़ डॉलर की पेशकश की थी। वहीं, अब एशले ने बैड एडवाइस नाम का एक पॉडकास्ट शुरू किया है जो यूट्यूब पर दिखेगा। इसके पहले एपिसोड में उन्होंने अपनी आर्थिक तंगी को लेकर खुलासा किया।

चीन भारत को करेगा दुर्लभ खनिज समेत कई चीजों की आपूर्ति, किन-किन मुद्दों पर हुई चर्चा?

नईदिल्ली,22 अगस्त (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच संबंध सामान्य होने के संकेत मिल रहे हैं। भारत दौरे पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को आश्वासन दिया है कि चीन उर्वरक, दुर्लभ खनिज और सुरंग खोदने वाली मशीनों (टीबीएम) की आपूर्ति बहाल करेगा। बता दें कि ये बेहद अहम संसाधन हैं, जिनकी कमी से भारत के कृषि, ऑटोमोबाइल और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर असर पड़ रहा था।रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री जयशंकर ने पिछले महीने अपनी चीन यात्रा के दौरान अपने समकक्ष यी के साथ यूरिया, एनपीके और डीएपी, दुर्लभ खनिज और टीबीएम की आपूर्ति का मुद्दा उठाया था। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री की भारत यात्रा पर इन चीजों की आपूर्ति बहाल करने पर सहमति बनी है। बता दें कि बीते करीब एक साल से चीन ने इनके निर्यात रोक दिया था, जिससे भारत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि बातचीत में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दे, तीर्थयात्रा, लोगों से लोगों के बीच संपर्क, नदी डेटा साझाकरण, सीमा व्यापार, संपर्क और द्विपक्षीय आदान-प्रदान पर चर्चा होगी। चीनी विदेश मंत्री के साथ अपने भाषण में विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पड़ोसी देशों और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत-चीन संबंधों के विविध पहलू और आयाम हैं। हालांकि, दोनों के बीच सीमा मुद्दों पर चर्चा नहीं हुई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष से कहा कि ताइवान पर भारत की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और दुनिया की तरह भारत ने भी आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों के लिए राजनयिक उपस्थिति बनाए रखी है। वहीं, अमेरिकी टैरिफ को लेकर दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि अमेरिका की मौजूदा नीतियों के कारण उन्हें एक-दूसरे के करीब आने की जरूरत है और अनिश्चितता से निपटने के लिए दोनों पक्षों को बातचीत करनी होगी।

नक्सलियों की जनअदालत में ग्रामीण को मौत की सजा: कांकेर में एक ग्रामीण को पीटा भी, सरपंच समेत कई लोगों को मिली धमकी

कांकेर,22 अगस्त(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर दहशत फैलाई है। परतापुर थाना क्षेत्र के श्रीपुर से इंद्रपुर मार्ग पर नक्सलियों ने बैनर लगाया है। जन अदालत लगाकर बिनागुंडा के मनेश नूरुटी को मुखबिरी का आरोप लगाते हुए मौत की सजा दी गई। एक अन्य ग्रामीण के साथ मारपीट की गई, जिसकी पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

पुलिस अधीक्षक आईके एलिसेला ने एक ग्रामीण की मौत की पुष्टि की है। परतापुर एरिया कमेटी ने बैनर के माध्यम से चेतावनी दी है कि मुखबिरी करने वालों को मौत की सजा दी जाएगी। बैनर में पंचायत के सरपंच रामजी धुर्वा समेत आयतु, टिब्बा कोरेटी और धन्नी का नाम भी शामिल है।16 अप्रैल 2024 को बिनागुंडा इलाके में सुरक्षा बलों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें खूंखार नक्सली नेता शंकर राव भी शामिल था। इसके बाद क्षेत्र में कई मुठभेड़ें हुईं और नक्सली वहां से भाग गए थे। अब नक्सलियों ने फिर से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।नक्सलियों ने बैनर में आरोप लगाया है कि सरपंच रामजी धुर्वा ने डीआरजी जवानों और टीआई के साथ मिलकर कई लोगों को अपने साथ जोड़ा। उन्होंने इलाके की गुप्त सूचना देकर मुठभेड़ करवाई। बिनागुंडा मुठभेड़ के लिए बैजू नरेटी को जिम्मेदार ठहराते हुए नक्सलियों ने उसे भी धमकी दी है।टीआई लक्ष्मण केंवट के साथ गोपनीय सैनिकों की टीम तैयार करने का आरोपनक्सलियों ने बैनर में लिखा है कि टीआई लक्ष्मण केंवट और पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर ग्रामीणों द्वारा गोपनीय सैनिकों के टीम बनाने का आरोप लगा है। नक्सलियों ने गोपनीय सैनिक के रूप में कार्य करने वाले ग्रामीणों को मौत के सजा सुनाए जाने का सख्त चेतावनी दी है।

सूरजपुर में हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत: दंतैल हाथी ने झोपड़ी में सो रहे ग्रामीण को कुचला, इलाके में दहशत

सूरजपुर ,22 अगस्त (एजेंसी) सूरजपुर जिले के बरगीडीह में दंतैल हाथी ने बीती रात गांव के बाहर मवेशियों के बथान के पास झोपड़ी बनाकर सो रहे ग्रामीण को कुचलकर मार डाला। सुबह ग्रामीण का शव झोपड़ी में पड़ा मिला। हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत से आसपास के गांवों में दहशत है। मामला घुई वन परिक्षेत्र का है।जानकारी के मुताबिक, प्रतापपुर ब्लॉक के धूमाडांड का निवासी बलदेव गोंड़ (40) ने अपने मवेशियों को चराने एवं उनकी देखरेख के लिए धूमाडांड एवं बड़वार के बीच बरगीडीह में अपने खेत के पास बथान बनाया था। बीती रात मवेशियों को बाड़े में डालकर बलदेव पास बनी झोपड़ी में सो गया था। देर रात जंगल से निकला हाथी उसके पास पहुंच गया एवं सो रहे बलदेव को उसने पटक दिया और कुचलकर मार डाला। इलाके में कई हाथी, दहशत में लोगएसडीओ फारेस्ट संस्कृति बारले ने बताया कि ग्रामीण को कुचलने वाला हाथी सेमरसोत अभ्यारण से पहुंचा था। उक्त हाथी अकेले ही विचरण कर रहा है। ग्रामीण ने जंगल किनारे बथान बनाकर रखा था और वहीं सो रहा था। हाथी के पास आने की भनक उसे नहीं लग सकी।वर्तमान में घुई रेंज में 16 हाथी विचरण कर रहे हैं। वहीं प्रतापपुर के सरहरी के पास 25 से 30 हाथियों का दल पहुंचा हुआ है जो सरगुजा से बलरामपुर होते हुए सूरजपुर वन परिक्षेत्र में पहुंच गया है।ग्रामीण को कुचलकर मार डालने की सूचना पर वन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे। वनविभाग द्वारा धूमाडांड, बड़वार एवं आसपास के गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया गया है और ग्रामीणों को जंगल न जाने की सलाह दी जा रही है। प्रतापपुर इलाके के सरहरी क्षेत्र में भी हाथियों की मौजूदगी की सूचना देते हुए ग्रामीणों को सतर्क किया गया है।

महानदी पुल से कूदी महिला की लाश मिली, तलाशी के दौरान एक और महिला का शव बरामद

आरंग, 22 अगस्त (एजेंसी)। पारागांव स्थित महानदी पुल से कथित तौर पर कूदने वाली विवाहित महिला स्वाति त्रिवेदी (27 वर्ष)का शव आज सुबह नदी में तैरता हुआ मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 53 के पास पुल के किनारे स्कूटी और दुपट्टा मिलने के बाद महिला की पहचान रायपुर के संतोषी नगर निवासी अजय त्रिवेदी की पत्नी स्वाति त्रिवेदी के रूप में हुई थी।स्वाति, जो ढाई माह की बेटी की मां थी, रक्षाबंधन मनाने मायके पारागांव आई हुई थी। रविवार को उसके पति और सास-ससुर बेटी से मिलने पहुंचे थे और फिर लौट गए थे। अगले दिन सोमवार सुबह स्वाति स्कूटी लेकर निकली, और कुछ ही देर बाद पुल के पास उसका सामान मिला। पहले दिन गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली थी। पुलिस को तलाशी अभियान के दौरान नदी में एक और महिला का शव तैरता मिला, जिसकी पहचान महासमुंद जिले के बेमचा गांव की चंपा चंद्राकर (78 वर्ष) के रूप में हुई है। चंपा 15 अगस्त से अपने घर से लापता थीं। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना देकर पूछताछ के लिए बुलाया है और शव को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बिलासपुर में बिजली गिरने से 6 महिलाएं झुलसी...2 की मौत : गरज-चमक के साथ हुई झमाझम बारिश, खेत से काम कर लौटते समय हुआ हादसा

बिलासपुर,22 अगसत (एजेंसी)। बिलासपुर में मंगलवार की शाम गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश हुई। इस दौरान 6 महिलाएं आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। जिससे 2 महिलाओं की मौत हो गई। जबकि, 4 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिलाएं खेत से काम कर लौट रही थी, तभी यह हादसा हुआ। घटना बिल्हा थाना क्षेत्र की है।जिले में पिछले 20 दिनों से बारिश नहीं होने की वजह से गर्मी बढ़ गई थी। धूप के साथ तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही थी। सावन के महीने में लगातार 20 दिनों तक लोग बारिश का इंतजार करते रहे। लेकिन, उन्हें मायूसी हाथ लगी। बारिश नहीं होने से खेत सूखने लगे हैं। किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। इधर, मंगलवार शाम अचानक मौसम ने करवट बदली और गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश हुई।आसमानी बिजली की चपेट में आई 6 महिलाएं, दो की मौतदरअसल, मंगलवार शाम को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। जिसके बाद करीब 5 बजे के बाद आसमान में काली घटाएं छा गई। फिर आसमान में जोरदार गर्जना होने लगी और बारिश शुरू हो गई। इस दौरान बिल्हा के ग्राम कुंआपाली निवासी सौम्या नेती (33), सुरेखा नेती (45) समेत 6 महिलाओं खेत में काम करने गई थीं।गरज-चमक के साथ बारिश होते देख कर सभी महिलाएं घर लौटने लगी। महिलाएं रास्ते में ही थी, तभी जोरदार गर्जना होने के साथ आकाशीय बिजली गिरी। इससे सौम्या और सुरेखा की मौके पर ही मौत हो गई। उनके पीछे चल रहीं दरसबाई कोर्राम, गीताबाई गोड़, कुंवरमति, पार्वती यादव इस घटना में घायल हो गई।इसकी जानकारी मिलते गांव के लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। साथ ही दोनों शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है।मंगलवार सुबह से आसमान में बदली छाई हुई थी, जिससे उमस से बेचैन कर दिया था। आसमान में सूरज और बादलों की आंख-मिचौली चल रही थी। दोपहर में उमस काफी बढ़ गई थी जिससे लोग बेहाल रहे। इस बीच शाम होते ही मौसम का मिजाज बदल गया।आसमान में काली घटाएं छा गई और बिजली चमकने के साथ ही तेज गर्जना होने लगी। जिसके बाद जोरदार बरसात हुई। बारिश के बाद लोगों को गर्मी से राहत महसूस हुई। लेकिन, उमस कम नहीं हुई।आज भी बारिश की संभावनामौसम विभाग ने पहले ही अनुमान लगाया था कि 48 घंटों के भीतर बिलासपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बिलासपुर में भी इस पूर्वानुमान का असर दिखा और शाम को अच्छी बरसात हुई।मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है, जिससे लोगों को उसम से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार को भी बारिश होने की संभावना जताई है।

9वीं के छात्रों ने 12वीं के स्टूडेंट को मारा चाकू-बिलासपुर में पुरानी रंजिश के चलते स्कूल में वारदात, बचाने आए दोस्त पर भी हमला

बिलासपुर,22 अगस्त (एजेंसी)। बिलासपुर के भारतमाता स्कूल में छात्रों के दो गुटों में जमकर विवाद हो गया। इस दौरान 9वीं कक्षा के छात्रों ने मिलकर 12वीं के एक छात्र की जमकर पिटाई की, फिर चाकू से हमला कर दिया। बीच बचाव करने वाले छात्र के दोस्त को भी चाकू मार दिया। बताया जा रहा है कि, पुरानी रंजिश के चलते यह घटना हुई है। इस हमले में घायल छात्र को अस्पताल भेजा गया। जिसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई। घटना तारबाहर थाना क्षेत्र की है।दरअसल, तारबाहर क्षेत्र का रहने वाला आवेश मिर्जा रेलवे परिक्षेत्र स्थित भारतमाता स्कूल में 12वीं का छात्र है। मंगलवार को वो स्कूल की गैलरी में खड़ा था। तभी 9वीं के छात्रों ने उसे अपनी क्लास में बुलाया। आवेश स्कूल के पहली मंजिल पर स्थित 9वीं क्लास की ओर गया।क्लास के बाहर 6 से 8 छात्र खड़े थे। उन्होंने पुराने विवाद को लेकर आवेश से गाली-गलौज की। इसका विरोध करने पर छात्रों ने मिलकर उसकी पिटाई शुरू कर दी।चाकू से किया वार, बीच-बचाव करने वाला दोस्त भी घायलइस दौरान एक छात्र ने चाकू निकालकर आवेश पर हमला कर दिया। इधर, मारपीट होते देख आवेश का दोस्त बीच-बचाव करने पहुंचा। तब छात्रों ने उस पर भी हमला किया। मारपीट और चाकूबाजी की जानकारी मिलते ही स्कूल के शिक्षक वहां पहुंचे। उन्होंने दोनों घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के बाद उनके परिजनों को बुलाकर घटना की जानकारी दी।छात्रों को लेकर थाना पहुंचे परिजनइस घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। जिसके बाद छात्रों को लेकर सीधे तारबाहर थाने पहुंचे। पुलिस ने कक्षा 9वीं के तीन छात्रों पर जेजे एक्ट के तहत कार्रवाई की है।स्कूल की व्यवस्था पर उठे सवालस्कूल में चाकूबाजी की घटना के बाद परिजन स्कूल में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ाने का एकमात्र उद्देश्य उन्हें अच्छे संस्कार और शिक्षा देने के साथ-साथ सुरक्षा देना है। लेकिन, स्कूल में इस तरह की घटनाओं से वे डरे हुए हैं।हाईकोर्ट की सख्ती, स्कूल तक पहुंचा चाकूबाजीबिलासपुर में चाकूबाजी की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। जिस पर हाईकोर्ट ने भी संज्ञान लिया है और गृह सचिव से जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद भी कानून व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। अब स्कूली छात्रों के बीच चाकूबाजी जैसी वारदात होने लगी है। इसे लेकर स्टूडेंट्स के पेरेंट्स भी चिंतित और परेशान हैं।सीएसपी बोले-चाकू नहीं नेलकटर से किया हमलाइधर, सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने कहा कि, दोपहर करीब 12 बजे स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं के तीन नाबालिग छात्रों ने स्कूल परिसर में कक्षा 12वीं के दो छात्रों के साथ विवाद करने लगे। विवाद के दौरान नाबालिग छात्र ने दो छात्रों पर नेल कटर से चोंट पहुंचाया है। इस मामले में सक्रियता दिखाते हुए पुलिस ने किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की है।

सड़क पर खुलेआम शराबखोरी पर हाई कोर्ट सख्त, आबकारी विभाग से मांगा जवाब

बिलासपुर, 22 अगस्त (एजेंसी)। चांटीडीह क्षेत्र की एक शराब दुकान के सामने सड़क पर खुले में शराब पीने की घटना पर बिलासपुर हाई कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट के आधार पर स्वत: संज्ञान लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने इस मामले में सहायक आबकारी आयुक्त, बिलासपुर को निर्देश दिया है कि वे व्यक्तिगत हलफ्नामा प्रस्तुत करें। मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त 2025 को तय की गई है। दरअसल, चांटीडीह स्थित लाइसेंसी शराब दुकान का अहाता हाल ही में तोड़ दिया गया था, जिसके बाद शराब पीने वालों ने सड़क को ही बार में तब्दील कर दिया। इससे इलाके में अराजकता का माहौल बन गया है और स्थानीय नागरिकों को भारी असुविधा हो रही है। इस पर मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की खंडपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन को रोकना प्रशासन की जिम्मेदारी है और ऐसी अव्यवस्था को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार ने जवाब में कहा कि अहाता सड़क चौड़ीकरण और नागरिकों की आपत्तियों के चलते हटाया गया। इस पर कोर्ट ने प्रशासन को निर्देश दिया कि वह वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करे, जिससे सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मितानिन संघ ने किया हड़ताल व प्रदर्शन

दुर्ग, 22 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मितानिन संघ पिछले 7 अगस्त से लगातार प्रदर्शन कर। रही है,,, यह प्रदर्शन प्रदेश स्तरीय चल रहा है जिसमें आज दुर्ग जिला में मितानिन संघ द्वारा रैली निकाल कर जिला मुख्यालय पहुंचकर अपनी तीन सूत्री मांगों हेतु कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया,,, आपको बता दे ।

खाद दुकानों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, तीन दुकानों की बिक्री पर रोक, एक का लाइसेंस निलंबित

राजिम, 22 अगस्त (एजेंसी)। राजिम क्षेत्र में जिला प्रशासन ने खाद दुकानों पर औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें कई अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। जांच के बाद तीन दुकानों अन्नपूर्णा कृषि केन्द्र, वर्षा कृषि केन्द्र और राजेश खाद भंडार पर खाद की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई है। विशेष रूप से वर्षा कृषि केन्द्र पर बिना पॉस मशीन के बिक्री और ओवररेटिंग जैसी गंभीर गड़बड़ियां पाए जाने के कारण उसका लाइसेंस 7 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है।

ऑनलाइन कामकाज बंद करेंगे राजस्व निरीक्षक, लंबित मांगों को लेकर बढ़ा असंतोष

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में राजस्व निरीक्षकों ने अपनी वर्षों से लंबित मांगों के समाधान में कोई प्रगति न होने से नाराज होकर ऑनलाइन कामकाज बंद करने का फैसला लिया है। छत्तीसगढ़ राजस्व निरीक्षक संघ ने शासन को पहले ही अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण संघ के सदस्य शासन की उदासीनता से असंतुष्ट और परेशान हैं। संघ ने स्पष्ट किया है कि वे ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करेंगे, हालांकि विभागीय अन्य कार्य पूर्ववत जारी रहेंगे, लेकिन इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा क्योंकि सीमांकन, नक्शा बंटाकन और अन्य ऑनलाइन सेवाएं ठप हो जाएंगी। संघ की प्रमुख मांगों में नायब तहसीलदार और सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख के रिक्त पदों पर शीघ्र पदोन्नति, नायब तहसीलदार के 50 प्रतिशत पदों को विभागीय पदोन्नति से भरने, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, ऑनलाइन मानचित्र अनुमोदन की समस्याओं का समाधान, रिक्त पदों पर भर्ती और अतिरिक्त प्रभार भत्ता शामिल हैं। इसके अलावा संघ ने सीमांकन और बंदोबस्त त्रुटि सुधार मामलों की पूर्ववत समय-सीमा बहाल करने, मानवीय भूल पर न्यायालयीन कार्रवाई के बजाय विभागीय स्तर पर समाधान और संवर्गों के विलय-मर्जिंग से जुड़ी मांगों को भी प्रमुखता से उठाया है। संघ का कहना है कि ऑनलाइन कार्यों के बढ़ते दबाव और संसाधनों की कमी के चलते कई निरीक्षकों को दो से तीन सर्कलों का कार्यभार सौंपा जा रहा है, जिससे वे मानसिक और शारीरिक रूप से तनावग्रस्त हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शासन ने उनकी मांगों पर जल्द गंभीरता नहीं दिखाई, तो वे उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कबीरधाम, 22 अगस्त (एजेंसी)। जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करवाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह (आईपीएस) के निर्देशन में कल रात विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान उन्होंने स्वयं सड़क पर उतरकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर ड्रिंक एंड ड्राइव एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान कई वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह (आईपीएस) ने मौके पर ही ऐसे चालकों को कड़ी फटकार लगाई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाना मौत को न्योता देने जैसा है। यह न केवल चालक के लिए बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों और उनके परिवारों के लिए भी खतरनाक है। पुलिस अधीक्षक ने समझाइश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की सबसे बड़ी वजह शराब पीकर वाहन चलाना है और इस तरह की लापरवाही से हर साल कई निर्दोष लोगों की जान जाती है। अब जिले में इस तरह की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों और दोपहिया पर तीन सवारी बैठाने वालों के खिलाफ भी एमवी एक्ट के तहत चालान काटा गया। साथ ही होटलों और ढाबों की भी जांच कर संचालकों को समझाइश दी गई कि नशे में वाहन चलाने की स्थिति में ग्राहकों को वाहन न दें और इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाएँ।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर जिले में लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभियान में एसडीओपी श्री कृष्णा चंद्राकर, कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा, अजाक थाना प्रभारी बालीराम बीसेन, यातायात प्रभारी अजय कांत तिवारी और डीआरजी के जवान शामिल रहे।

अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आंदोलन की राह पर

जगदलपुर, 22 अगस्त (एजेंसी)। प्रदेशभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं 1 सितंबर को आंगनबाड़ी केंद्र बंद रख हड़ताल करेंगी। कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच ने 31 अगस्त तक मांग पूरी नहीं होने पर 1 सितंबर को पूरे प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्र बंद करने की चेतावनी दी है।

मंच की संयोजक मंडल सदस्य सरिता पाठक, रुक्मणी सज्जन, सुधा रात्रे, हेमा भारती, कल्पना चंद ने बताया कि कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की लंबित मांगों एवं काम में आ रही समस्या को लेकर सचिव व संचालक के नाम पत्र दिया गया था। संचालक द्वारा हड़ताल के विषय में जारी किए गए आदेश पत्र को वापस लेने की मांग को लेकर सचिव को एक और पत्र दिया गया। हमने 31 का समय दिया है। आगामी 01सितंबर को आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। सभा रैली करने व ज्ञापन देने का कार्यक्रम प्रदेश के सभी जिलो में होगा। इसके बाद भी उचित पहल नही होने पर संयुक्त मंच अनिश्चतकालीन हड़ताल के बाध्य होगा। संयुक्त मंच ने कहा है कि पोषण ट्रेकर में कार्यकर्ताओं व सहायिकाओ की उपस्थिति का फेस केप्चर और ई-केवायसी के माध्यम से केंद्र के सभी कार्य को डिजिटल किया गया है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

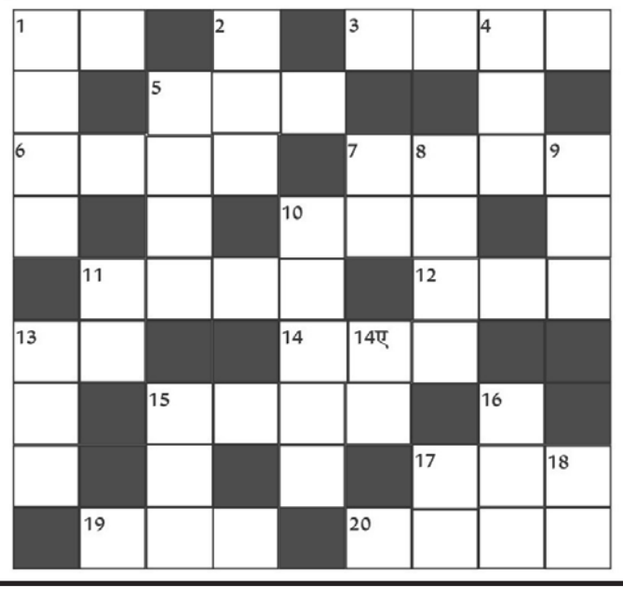

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

अलग-अलग क्षेत्र से तीन दोपहिया वाहन पार

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसी)। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अज्ञात चोर ने तीन दोपहिया वाहन पार कर दिया। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में डब्ल्यूआरएस कालोनी निवासी ओमप्रकाश रात्रे 52 वर्ष ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलयू 2241 को खमतराई मछली बाजार के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में छीर्रापारा बिलाईगढ़ निवासी प्रार्थिया सुनीति साहू 26 वर्ष ने पुरानी बस्ती थाना में शिकायत किया कि वह अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 22 यू 2808 को भाठागांव ओव्हरब्रीज के पास खड़ी किया था।

गिल की वापसी से सैमसन का प्लेइंग-11 में जगह बनाना हो सकता है मुश्किल, सभी प्रारूप का होगा एक कप्तान?

नई दिल्ली ,22 अगस्त (एजेंसी)। गिल के पास फिलहाल टेस्ट टीम की कमान है और उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर अपने नेतृत्व का दम दिखाया है। मुख्य कोच गौतम गंभीर और मौजूदा चयन समिति कप्तानी के मसले पर एकमत हैं।टी20 विश्व कप से छह महीने पहले शुभमन गिल को एशिया कप टीम में लेने से साफ संकेत मिल रहे हैं कि भारत आने वाले भविष्य में सभी प्रारूपों के लिए एक कप्तान की नीति पर आगे बढ़ सकता है। रोहित शर्मा अभी वनडे कप्तान हैं, जबकि टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है। गिल को ना सिर्फ एशिया कप के लिए टीम में जगह मिली है, बल्कि उन्हें अक्षर पटेल की जगह उपकप्तान भी बनाया गया है। गिल के पास फिलहाल टेस्ट टीम की कमान है और उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर अपने नेतृत्व का दम दिखाया है। मुख्य कोच गौतम गंभीर और मौजूदा चयन समिति कप्तानी के मसले पर एकमत हैं। ऐसे में फिट और उपलब्ध होने पर गिल दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में होने वाले 2027 विश्व कप और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में भारत की कप्तानी कर सकते हैं।विज्ञापनसैमसन के लिए चिंता की बातएशिया कप की टीम चयन को देखें तो संजू सैमसन के लिए यह चिंता की बात है जिनका एशिया कप के लिए प्लेइंग-11 में जगह बना पाना खतरे में पड़ता दिखाई दे रहा है। टी20 विश्व कप में ऋषभ पंत फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध होंगे लिहाजा सैमसन के लिए जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने हर प्रारूप में एक कप्तान के सवाल का जवाब नहीं दिया, लेकिन शीर्ष क्रम में गिल की मौजूदगी के बारे में उन्होंने कहा, इंग्लैंड में गिल के अच्छे प्रदर्शन की हम सभी को उम्मीद थी लेकिन उन्होंने अपेक्षा से भी बेहतर प्रदर्शन किया। शीर्ष क्रम के लिए इस समय कुछ विकल्प है और शुभमन शानदार फॉर्म में भी है। दुबई में विरोधी टीम और हालात को देखकर अंतिम एकादश का चयन होगा।टीम प्रबंधन के सामने प्लेइंग-11 बनेगा सिरदर्द

सैमसन को शीर्ष तीन क्रम पर ही बल्लेबाजी रास आती है जहां उनके लिए जगह बनना मुश्किल है। अभिषेक शर्मा का क्रम लगभग तय लग रहा है और बाएं-दाएं संयोजन होने पर दूसरे छोर पर गिल होंगे। गुजरात टाइटंस के कप्तान गिल ने पिछले आईपीएल में 150 से अधिक की औसत से 600 से अधिक रन बनाए थे। सैमसन को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए तिलक वर्मा को बाहर करना होगा, लेकिन तिलक बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जो आफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं और उनकी फील्डिंग शानदार है। सैमसन को उतारने का मतलब है कि तीसरे से पांचवें नंबर पर दाहिने हाथ के ही बल्लेबाज (सैमसन, सूर्यकुमार और हार्दिक पांड्या) होंगे जिससे बल्लेबाजी संयोजन एकआयामी लगेगा।

बुमराह के कार्यभार प्रबंध को लेकर योजना में नहीं होगा बदलाव, अगरकर बोले- चाहते हैं वह सभी मैच खेले

नई दिल्ली,22 अगसत (एजेंसी)। अगरकर ने कहा कि वह चाहते हैं कि बुमराह सभी मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहें। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में तीन मैच ही खेले थे। अब उन्हें नौ सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए टीम में जगह मिली है। इंग्लैंड दौरे के बाद भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को लेकर काफी विवाद हुआ था और कई पूर्व खिलाड़ियों ने इसकी आलोचना भी की थी। बुमराह को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बुमराह के वर्कलोड को लेकर हुई आलोचनाओं के बावजूद मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यह स्पष्ट कर दिया कि बुमराह को लेकर कार्यभार प्रबंध की योजना में कोई बदलाव नहीं होगा।अगरकर ने साथ ही कहा कि वह चाहते हैं कि बुमराह सभी मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहें। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में तीन मैच ही खेले थे। अब उन्हें नौ सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए टीम में जगह मिली है। अगरकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस समय कोई लिखित योजना है।

बेशक, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद अच्छा ब्रेक मिला है। टीम प्रबंधन या फिजियो या संबंधित लोग हमेशा संपर्क में रहते हैं। अभी ही नहीं बल्कि चोट लगने से पहले भी हम उसका ध्यान रखते थे क्योंकि हमें पता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। अगरकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि बुमराह को भविष्य के महत्वपूर्ण मैचों के लिए उपलब्ध रखना जरूरी है। उन्होंने कहा, जाहिर है कि हम चाहते हैं कि वह सभी बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहे। मैं जानता हूं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर मैच बड़ा होता है लेकिन विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी या इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी सीरीज होती हैं। हम चाहते हैं कि वह हर समय उपलब्ध रहे। अधिकतर तेज गेंदबाजों पर नजर रखी जाती है। पिछले दो-तीन साल में लगी चोट के कारण उस पर ध्यान है। उस पर अतिरिक्त नजर है क्योंकि वह बेजोड़ और विशेष है और इसमें बदलाव नहीं होगा। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा, फिर यह चाहे अगली सीरीज हो या छह महीने बाद। टी20 विश्व कप के बाद बुमराह का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट अक्तूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के समीप होने के कारण आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए बुमराह की उपलब्धता को लेकर संशय था। लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें चुनने का फैसला किया और पिछले साल के विश्व कप के बाद यह बुमराह का पहला टी20 टूर्नामेंट होगा। अगरकर ने कहा कि भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए बुमराह का चयन उस समय उनकी शारीरिक स्थिति पर निर्भर करेगा और इस बारे में सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जाएगी।

एशिया कप में शुभमन गिल अचानक क्यों बने टीम इंडिया के टी20 उपकप्तान? अगरकर-एसकेवाई ने बताई बड़ी वजह

मुंबई,22 अगस्त (एजेंसी)। गिल की हालिया आईपीएल 2025 में धमाकेदार फॉर्म ने भी इस फैसले को मजबूती दी। गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए उन्होंने 650 रन ठोके, औसत 50 से ज्यादा रहा और कई अहम पारियां खेलीं।एशिया कप 2025 के लिए सोमवार को घोषित हुई भारतीय टीम में सबसे बड़ा बदलाव उपकप्तान को लेकर देखने को मिला। चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को नई जिम्मेदारी सौंपी है। अब वे कप्तान सूर्यकुमार यादव के डिप्टी के तौर पर टी20 टीम में दिखेंगे। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस फैसले की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि गिल पहले भी श्रीलंका दौरे पर झ20ढ्ढ उपकप्तान रह चुके हैं। उसके बाद टेस्ट और वनडे व्यस्तताओं की वजह से वह टी20 प्रारूप से दूर हो गए थे। अब जब नया टी20 विश्व कप चक्र शुरू हो रहा है, तो उन्हें फिर से यह जिम्मेदारी देना रणनीति का अहम हिस्सा है।अगरकर ने कहा- कोच-कप्तान तय करेंगेगिल की हालिया आईपीएल 2025 में धमाकेदार फॉर्म ने भी इस फैसले को मजबूती दी। गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए उन्होंने 650 रन ठोके, औसत 50 से ज्यादा रहा और कई अहम पारियां खेलीं। यही प्रदर्शन उन्हें फिर से उपकप्तानी तक ले आया। अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि गिल की वापसी के साथ ओपनिंग संयोजन में बदलाव देखने को मिलेगा। पहले संजू सैमसन ओपनिंग कर रहे थे, लेकिन अब गिल और अभिषेक शर्मा को संभावित जोड़ी माना जा रहा है। हालांकि, इसका अंतिम निर्णय कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच करेंगे। सूर्यकुमार ने कही यह बातवहीं, भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अक्षर की जगह गिल को उप-कप्तान क्यों बनाया गया। उन्होंने कहा, %उन्होंने पिछली बार भारत के लिए टी20 मैच तब खेला था, जब हम टी20 विश्व कप के बाद श्रीलंका गए थे, जिम्बाब्वे नहीं। मैं कप्तान था, वह उप-कप्तान थे, और यहीं से हमने टी20 विश्व कप के लिए नया चक्र शुरू किया। उसके बाद, वह टेस्ट सीरीज में व्यस्त हो गए। इसलिए, उन्हें टी20 में कहीं भी खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेट और चैंपियंस ट्रॉफी खेलने में व्यस्त हो गए। अब वह टीम में हैं और टीम उन्हें पाकर खुश है। नौ सितंबर से शुरू होगा एशिया कपएशिया कप टी20 की शुरुआत नौ सितंबर से होगी और फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। अगले साल टी20 विश्व कप खेला जाना और इसकी तैयारी की शुरुआत भारतीय टीम इसी टूर्नामेंट के जरिये करेगी। टी20 विश्व कप 2026 से पहले भारत करीब 20 टी20 मैच खेलेगा इसलिए, उन्हें टी20 में कहीं भी खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेट और चैंपियंस ट्रॉफी खेलने में व्यस्त हो गए। अब वह टीम में हैं और टीम उन्हें पाकर खुश है। नौ सितंबर से शुरू होगा एशिया कपएशिया कप टी20 की शुरुआत नौ सितंबर से होगी और फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। अगले साल टी20 विश्व कप खेला जाना और इसकी तैयारी की शुरुआत भारतीय टीम इसी टूर्नामेंट के जरिये करेगी।

व्यापार

टैरिफ नीतियों पर पीछे हट सकते हैं ट्रंप, भारतीय बाजार में बिकवाली की जगह खरीदारी करना सही फैसला

नई दिल्ली,21 अगस्त(एजेंसी)। अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म जेफरीज ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ की नीतियों से कभी भी पीछे हट सकते हैं। ऐसे में भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली करने की जगह खरीदारी करना सही फैसला होगा। जेफरीज के प्रमुख विश्लेषक क्रिस्टोफर वुड ने कहा, उनके ग्राहक वर्तमान वैश्विक बाजार परिवेश और इस संभावना के कारण भारत में निवेश करने पर विचार कर रहे हैं।

वुड ने कहा, यह केवल कुछ समय की बात है। ट्रंप अपने रुख से पीछे हट जाएंगे, जो कि अमेरिका के हित में नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अगर कोई ट्रंप के सामने खड़ा होता है तो उसे लाभ होता है। ट्रंप की ओर से ब्रिक्स देशों के खिलाफ कोई भी प्रतिक्रिया उन्हें डी-डॉलराइजेशन की ओर ले जाएगा। ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका का नाम शामिल है। डी-डॉलराइजेशन वह स्थिति है, जिसमें देश डॉलर की बजाय अन्य विदेशी या घरेलू मुद्राओं में विदेशी व्यापार करना शुरू कर देते हैं। वुड ने कहा, भारत पर खासकर अपने एशिया (जापान को हटाकर) पोर्टफोलियो में लगातार तेजी का रुख बनाए रखा है। पिछले 15 वर्षों में उभरते बाजारों की तुलना में भारत ने पिछले 12 महीनों में सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन किया है। भारत एशिया में सबसे अच्छी दीर्घकालिक संरचनात्मक स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है। हालांकि इस समय बाजार उच्च मूल्यांकन का सामना कर रहा है।

100 दिन का परिवर्तन एजेंडा: एफडीआई व्यवस्था को उदार बनाएगी केंद्र सरकार, विदेशी निवेश होगा और आसान

नई दिल्ली,21 अगस्त (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय 100 दिन के सुधार एजेंडे पर काम कर रहा है, जिसमें एफडीआई नियमों में ढील, स्टार्टअप्स को टैक्स में राहत, चमड़ा उद्योग के पर्यावरण मानकों में छूट, और निर्यात बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स हब की स्थापना शामिल है। मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह पहल भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अहम कदम है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय एक 100 दिवसीय सुधार एजेंडे पर काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) व्यवस्था में ढील देना और पड़ोसी देशों से निवेश को आसान बनाना है। इस सुधार एजेंडे में स्टार्टअप के लिए कर लाभ और अधिक बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि चमड़ा और जूता उद्योग के लिए पर्यावरणीय मानदंडों में कुछ ढील देने, निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से ई-कॉमर्स केंद्रों की स्थापना में तेजी लाने, भारत ट्रेडनेट के जरिये ट्रैकिंग में तेजी लाने और एक ही प्लेटफॉर्म पर प्रयोगशाला परीक्षण और प्रमाणन की सुविधा मुहैया कराने का भी प्रस्ताव है।इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से स्वतंत्रता दिवस पर किए गए वादों को पूरा करने पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। भारत दुनिया के सबसे पसंदीदा उपभोक्ता बाजार और शीर्ष निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है।अभी पड़ोसी देशों से एफडीआई के लिए अनुमोदन जरूरीजुलाई 2024 में बजट-पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और निर्यात बाजार के दोहन के लिए चीन से एफडीआई बढ़ाने पर जोर दिया गया था। अभी भारत में अधिकांश एफडीआई स्वचालित अनुमोदन के तहत आता है। हालांकि, भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले एफडीआई के लिए किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य सरकारी अनुमोदन की आवश्यकता होती है। भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। रक्षा, मीडिया और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों के लिए सरकारी अनुमोदन आवश्यक है। हालांकि, कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी निवेश पर भी प्रतिबंध है। मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि चमड़ा और जूता उद्योग के लिए पर्यावरणीय मानदंडों में कुछ ढील देने, निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से ई-कॉमर्स केंद्रों की स्थापना में तेजी लाने, भारत ट्रेडनेट के जरिये ट्रैकिंग में तेजी लाने और एक ही प्लेटफॉर्म पर प्रयोगशाला प्रस्ताव है।

जीएसटी में सुधार की घोषणा के बाद 9 पैसे की बढ़त के साथ खुला रुपया

मुंबई,21 अगस्त (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले हफ्ते किए गए कुछ बड़ी घोषणाओं के बाद रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की बढ़त के साथ खुला। पिछले सत्र में रुपया 87.57 पर बंद हुआ था, जबकि आज यह 87.48 पर खुला। विशेषज्ञों का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित जीएसटी सुधारों की वजह से रुपये को मजबूती मिली है। इससे निवेशकों के बीच बाजार को लेकर सकारात्मक धारणा बनी हुई है। प्रधानमंत्री ने लाल किले से अपने संबोधन में कहा था कि दिवाली तक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू किए जाएंगे। इसमें कर दरों को कम करने और संरचना को सरल बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इसे दिवाली का तोहफा बताते हुए कहा कि इसका मकसद नागरिकों पर कर का बोझ कम करना है।

सोने की कीमत 100920 रुपये पर स्थिर, चांदी की कीमत में 1000 रुपये का उछाल

नई दिल्ली ,21 अगस्त (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सोमवार को सोने की कीमत 1,00,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही। स्थानीय बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु 1,00,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही। वहीं चांदी की कीमतें 1,000 रुपये बढ़कर 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर शुक्रवार को सर्राफा बाजार बंद रहे। अमेरिका-रूस बैठक का सोने पर पड़ेगा असरएलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक जतीन त्रिवेदी ने कहा कि सप्ताहांत में अमेरिका-रूस बैठक में मास्को और कीव शांति प्रक्रिया पर कोई स्पष्ट समाधान नहीं निकलने के कारण सोने में स्थिरता से लेकर अस्थिरता तक का रुख रहा। हालांकि वार्ता का

रुख सकारात्मक रहा। उन्होंने कहा कि शांति की दिशा में कोई भी प्रगति सोने पर दबाव डाल सकती है। वहीं समाधान में लंबे समय तक देरी से कीमतों को समर्थन मिलने की संभावना है। वैश्विक बाजार में बढ़े सोने-चांदी के दामवैश्विक मोर्चे पर न्यूयॉर्क में सोना मामूली बढ़त के साथ 3,349.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी 0.35 प्रतिशत बढ़कर 38.14 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।निवेशकों को है फेड रिजर्व की बैठक का इंतजार

ऑग्मोंट की शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के विवरण जारी होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह ब्याज दरों को वर्तमान स्तर पर बनाए रखने के निर्णय के लिए आगे की पृष्ठभूमि प्रदान कर सकता है। चैनानी ने कहा कि श्रम बाजारों में उतार-चढ़ाव, मुद्रास्फीति के विरोधाभासी संकेत और ब्याज दरों में कटौती के बाजार मूल्य निर्धारण के साथ, जैक्सन होल सिम्पोजियम 2025 में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल का भाषण अमेरिकी मौद्रिक नीति स्वर्ण धारणा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

बीमा-दवाओं समेत खाद्य पदार्थ पर 0 जींएसटी, टीवी-फ्रिज होंगे सस्ते, जानें किन चीजों के घटेंगे दाम

नई दिल्ली ,21 अगस्त (एजेंसी)। प्रस्तावित जीएसटी 2.0 ढांचा के तहत सरकार वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी के दो स्लैब 5 और 18 फीसदी लाएगी। बीमा प्रीमियम पर जीएसटी 18त्न के बजाय शून्य या 5त्न के दायरे में आ सकता है। इससे आम सहित वरिष्ठ नागरिकों व बीमा कंपनियों को फायदा होगा।आम आदमी को बड़ी राहत मिलेगी। जीएसटी के दो स्लैब होने से जीवन व स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम, दवाएं,

टूथब्रश और बालों के तेल पर शून्य टैक्स हो सकता है। छोटी कारों, एसी, टीवी व फ्रिज पर टैक्स दरें कम हो सकती हैं। हालांकि तंबाकू व सिगरेट महंगे हो जाएंगे।प्रस्तावित जीएसटी 2.0 ढांचा के तहत सरकार वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी के दो स्लैब 5 और 18 फीसदी लाएगी। बीमा प्रीमियम पर जीएसटी 18त्न के बजाय शून्य या 5त्न के दायरे में आ सकता है। इससे आम सहित वरिष्ठ नागरिकों व बीमा कंपनियों को फायदा होगा।खाद्य पदार्थ, दवाइयां, चिकित्सा उपकरण, स्टेशनरी, शैक्षिक उत्पाद और टूथब्रश व बालों के तेल सहित जरूरी वस्तुएं या तो कर मुक्त रहेंगी या 5 फीसदी दायरे में आ जाएंगी। टीवी, एसी व रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं 28 के बजाय 18 फीसदी की श्रेणी में आ सकती हैं। सरकार ने विशेष ध्यान देने वाले क्षेत्रों के रूप में ऑटोमोबाइल, हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद, कपड़ा व उर्वरक की भी पहचान की है।छोटी पेट्रोल और डीजल कारों पर कर मौजूदा 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जा सकता है।

पोला को लेकर मिट्टी–लकड़ी के नंदी बैल और चुकिया की बढ़ी डिमांड

शनिवार को मनाया जाएगा लोक पर्व पोला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। इस बार छत्तीसगढ़ी लोक पर्व पोला 23 अगस्त को मनाया जाएगा। लोक पर्व पोला हमारी अपनी संस्कृति एवं सभ्यता पशुओं के प्रति भी प्रेम दर्शाती है। इसे लेकर बाजार भी सज चुके हैं। वहीं दूसरी ओर आधुनिकीकरण के कारण किसान बैलों से दूर होते जा रहे हैं। पोला भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। सुबह बैलों को स्नान कराकर हल्दी-अक्षत से तिलक लगाकर पूजा की जाती है। ठेठरी, खुर्मी व चावल से बने पकवान का भोग खिलाया जाता है। किसान पूजा कर कृषि कार्य में सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए उनसे अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करते हैं। जिनके यहां बैल नहीं हैं, वे घरों में मिट्टी की प्रतिमा बनाकर पूजा करते हैं। मंदिरों में भी भगवान शिव व नंदी की पूजा होगी। इसके साथ ही पोला को लेकर बाजार में मिट्टी के बैल और अन्य सामाग्री की बिक्री शुरू हो गई है। शहर के विभिन्न जगहों पर दुकान सज गया है।पर्व को लेकर गुरुवार को बाजार में भीड़ रही। बाजारों में मिट्टी और लकड़ी के बैलों का बाजार सज गया है। लोग इनकी पूजा करने खरीदारी कर रहे हैं। मिट्टी से बने बैल के साथ पोला-जाता के खिलौने भी बाजार में रहे। नंदी बैल, चुकी पोरा और अन्य समानों की बिक्री हुई। बाजार में 50 से लेकर 120 रुपए तक नंदी बैल बिके। वहीं खेल सामग्री चुकिया 80 से लेकर 150 रुपए सेट तक बिक रहे थे।

मांगों को लेकर हड़ताल पर गए अधिकारी कर्मचारी

शासकीय कार्यालयों में पसरा रहा सन्नाटा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर अधिकारी कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर चले गए हैं। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले आंदोलन किया जा रहा है। जिसका जिले में व्यापक असर देखने को मिला। अधिकांश शासकीय कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा।

आंदोलन कर रहे फेडरेशन के सदस्यों ने कहा कि मोदी की गारंटी अनुसार प्रदेश के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्र सरकार के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) दिया जाए। वर्ष 2019 से लंबित डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए। प्रदेश के लिपिकों, शिक्षकों, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों को दूर करने पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए। प्रदेश में चार स्तरीय पदोन्नत समयमान वेतनमान क्रमशः 8,16,24,32 वर्ष में दिया जाए। सहायक शिक्षकों एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को भी त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाए तथा नगरीय निकाय के कर्मचारियों को नियमित मासिक वेतन एवं समयबद्ध पदोन्नति दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अन्य भाजपा शासित राज्यों की भांति कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू की जाए। प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति निःशर्त लागू करने स्थायी आदेश जारी जारी किया जाये। वर्तमान में 10 प्रतिशत सीलिंग समाप्त करते हुए सीधी भर्ती के समस्त पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दिया जाए। मध्यप्रदेश की भांति प्रदेश में अर्जित अवकाश नगदीकरण 300 दिवस की जाए। एल बी संवर्ग के शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए समस्त सेवा लाभ दिया जाए। प्रदेश के विभिन्न विभागों में सेटअप पुनरीक्षित नहीं होने के कारण अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कमी को देखते हुए सभी विभागों में समानता लाते हुए सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष की जाए। प्रदेश में कार्यरत पंचायत सचिवों, कार्यभारित, दैनिक वेतन भोगी, अनियमित, संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करते हुए नियमित पदस्थापना में नियुक्त किया जाए।

पत्नी व ससुरालियों पर हमला आरोपी को सात साल की सजा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पत्नी उसके भाई और सास पर जानलेवा हमले के दोषी युवक को सत्र न्यायालय ने सात साल कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। दोषी पर 15 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

लोक अभियोजक अधिकारी राजेन्द्र साहू ने बताया कि घटना 12 जून 2024 की है। विकासखंड करतला के गांव रामपुर में रहने वाली महिला टिका बाई महंत अपनी बेटी टिंकी दास और पुत्र पवन दास के साथ कोरबा से घर लौट रही थी। बाइक से तीनों रामपुर की गली में पहुंचे थे कि शरद दास महंत ने उन पर टांगी से जानलेवा हमला कर दिया। तीनों को गंभीर चोटें आई। उन्हें पास के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। घायल टिका बाई की रिपोर्ट पर करतला थाना में शरद दास के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 (हत्या की कोशिश) के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने शरद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले की सुनवाई कोरबा के सत्र न्यायालय में चल रही थी। न्यायाधीश एस शर्मा की अदालत ने शरद को टिका बाई, टिंकी दास और पवन दास पर जानलेवा हमला का दोषी माना। शरद को तीनों पर हमला करने पर सात- सात साल कठोर कारावास की सजा से दंडित किया। कुल 15 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया। सजा से दंडित शरद दास रिश्ते में टिका बाई का दामाद और टिंकी उसकी पत्नी है। जबकि पवन टिंकी का भाई है। घटना का कारण घरेलू विवाद है। टिंकी अपने पति शरद से अलग रह रही थी। भरण पोषण को लेकर टिंकी कोरबा के कोर्ट में अपने पति शरद से केस लड़ रही थी। सात जून 2024 को शरद कोरबा की एक कोर्ट में पेशी के लिए उपस्थित हुआ था। इसमें कोर्ट ने शरद को पत्नी के भरण पोषण के लिए रुपए जमा करने का आदेश दिया था। शरद ने दो दिन का समय लिया था। 10 जून 2024 को शरद को दोबारा कोर्ट में पेश होना था। इसी मामले लेकर कोर्ट में उपस्थित होने के लिए टिंकी अपनी मां टिका बाई और भाई पवन के साथ कोरबा पहुंची थी। तीनों अपने एक रिश्तेदार के घर ठहरे थे। यहां से 12 जून की शाम रामपुर जा रहे थे। तीनों अपने घर पहुंचने ही वाले थे कि रामपुर की गली में शरद ने तीनों पर टांगी से जानलेवा हमला किया था।

भव्य शोभायात्रा के साथ किया गया कटघोरा के राजा का स्वागत

पद्मनाभस्वामी मंदिर स्वरूप वाले पूजा पंडाल में विराजेंगे भगवान गणेश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शोभायात्रा निकालकर कटघोरा के राजा का भव्य स्वागत किया गया। शुभ यात्रा की शुरुआत कासनिया से हुई। यात्रा ने मुख्य मार्ग से गुजरते हुए नगर में प्रवेश किया। शोभायात्रा का केंद्र बिंदु 21 फीट ऊंची राजा की विशाल प्रतिमा रही, जिसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ जुटी। नगर में इस भव्य आगमन का स्वागत रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया।

शोभायात्रा में हनुमान जी की झांकी, शंखनाथ गोंदिया से आए प्रसिद्ध भवानी ढोल पाठक, और दुर्गा के गौरी कृपा के कार्यक्रमों ने उत्सव को चार चांद लगा दिए। मुंबई से आए पुष्पा की प्रस्तुति को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ा। कटघोरा के शहीद वीरनारायण चौक पर भव्य स्वागत मंच एवं आयोजकों द्वारा रंगोली और स्केटिंग जैसे आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में कोरबा सहित आसपास के अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग उत्सव देखने पहुंचे। आगमन के बाद आतिशबाजी की गई, जिसने पूरे नगर को जगमगा दिया। पिछले वर्षों की बात करें तो समिति ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर की भव्य झांकी तैयार कर पूरे छत्तीसगढ़ में सुर्खियाँ बटोरी थीं। वहीं, बीते वर्ष वृंदावन के प्रेम मंदिर का अद्भुत स्वरूप तैयार किया गया, जिसने लोगों के हृदय में गहरी छाप छोड़ी। श्रद्धालुओं ने उस पंडाल को देखकर स्वयं को मानो वृंदावन धाम में अनुभव किया। इस वर्ष भी समिति कुछ ऐसा विशेष तैयार करने में जुटी हुई है, जो नगरवासियों को नई भक्ति अनुभूति और भव्यता का एहसास कराएगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जयदेवा गणेशोत्सव समिति द्वारा किए जाने वाले इन प्रयासों ने कटघोरा को धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बना दिया है। समिति द्वारा हर वर्ष नए और आकर्षक पंडालों का आयोजन किया जाता है।इस वर्ष समिति ने केरल के तिरुअनन्तपुरम स्थित भगवान विष्णु के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर की थीम पर पंडाल सजाया गया है, जिसने श्रद्धालुओं की संख्या दोगुनी कर दी है। 21 फीट ऊंची इस भव्य प्रतिमा का निर्माण छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के थाना स्थित प्रसिद्ध राधे आर्ट गैलरी द्वारा किया गया है। इस प्रतिमा के नगर आगमन पर स्थानीय लोग अत्यंत खुश नजर आए और उत्साह के साथ इस त्योहार को मनाया।

आयोजन के पीछे जय देव गणेश उत्सव समिति का विशेष योगदान रहा है। समिति द्वारा हर वर्ष नए और आकर्षक पंडालों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष तिरुअनन्तपुरम स्थित भगवान विष्णु के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर की थीम पर पंडाल सजाया गया है, जिसने श्रद्धालुओं की संख्या दोगुनी कर दी है। 21 फीट ऊंची इस भव्य प्रतिमा का निर्माण छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के थाना स्थित प्रसिद्ध राधे आर्ट गैलरी द्वारा किया गया है। इस प्रतिमा के नगर आगमन पर स्थानीय लोग अत्यंत खुश नजर आए और उत्साह के साथ इस त्योहार को मनाया।

पर्यावरण सुधार के लिए शुरू हुआ फिकल स्लज मैनेजमेंट प्लांट

ग्राम पंचायत केराझरिया में स्वच्छ भारत मिशन की पहल, हवा,पानी और मिट्टी की सेहत में होगा सुधार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जनपद पंचायत पाली के ग्राम पंचायत केराझरिया में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए फिकल स्लज मैनेजमेंट यूनिट का संचालन शुरू किया गया है।

यह पहल कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग के मार्गदर्शन में गांव और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही टॉयलेट टैंकों व गड्ढों में जमा मानव मल कीचड़ के सुरक्षित निपटान की समस्या का समाधान है। पहले केवल गलियों की सफाई होती थी, लेकिन टॉयलेट टैंकों में जमा गंदगी वर्षों तक बनी रहती थी, जिससे भूजल दूषित होने, दुर्गंध फैलने और बीमारियों के बढ़ते खतरे जैसी समस्याएं सामने आती थीं। स्वच्छ भारत मिशन की टीम ने जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को समझाया कि असली सफाई सिर्फ झाड़ू लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि टॉयलेट टैंकों की गंदगी का वैज्ञानिक निपटान भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से केराझरिया में यह आधुनिक प्लांट स्थापित किया गया है।

इस प्रक्रिया के तहत घरों के टैंकों से आधुनिक मशीनों द्वारा मल निकासी कर उसे ट्रैक्टर-टैंकर से ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचाया जाता है। यहां इसका वैज्ञानिक तरीके से निपटान कर जैविक खाद में परिवर्तित किया जाता है। इस पहल से गांव की गलियों में दुर्गंध समाप्त होगी, पानी और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा बीमारियों का खतरा भी घटेगा। इस संबंध में ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत यह पहल गांव-गांव की स्वच्छता यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रही है,जहां अब केवल सड़कें और गलियां ही नहीं, बल्कि हवा,पानी और मिट्टी भी स्वच्छ बन रही हैं।

लचर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को लेकर फूटा लोगों का आक्रोश

नाराज लोगों ने बिजली ऑफिस का किया घेराव

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सर्वमंगला नगर क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली गुल से से परेशान क्षेत्रवासियों ने बिजली ऑफिस का घेराव किया और अपनी समस्या बताई। इस पर बिजली विभाग द्वारा एक सप्ताह में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया गया है।

सर्वमंगला नगर क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली गुल से क्षेत्रवासी काफी परेशान हैं। लोगों का कहना है कि एक दिन में कम से कम 30 से 40 बार बिजली गुल होती है इससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोज-रोज की हो रही समस्या से परेशान होकर क्षेत्र के लोगों ने बिजली विभाग जाकर अपनी समस्या बताई। वार्डवासियों ने बताया कि अगर एक सप्ताह के अंदर बिजली व्यवस्था दुरुस्त की नहीं की जाती है तो पुनः बिजली ऑफिस का घेराव किया जाएगा।

सड़क हादसे में ग्रामीण घायल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बांकीमोंगरा क्षेत्र के शांतिनगर बलगी के पास तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार ग्रामीण को ठोकर मार दिया। हादसे में ग्राम डगनिया निवासी छत्रपाल कंवर सड़क पर गिर गया। घटना में वह बेहोश हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना परिजनों को दी गई। आरोपी कार क्रमांक सीजी 12 एपी 3633 का चालक है। बताया जा रहा है कि आरोपी चालक ने साइकिल को पीछे से ठोकर मार दिया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का केस दर्ज किया है।

प्लांट के अंदर से बाइक की चोरी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बालकोनगर क्षेत्र के प्लांट के अंदर से बाइक की चोरी हो गई। बाइक ग्राम चीतापाली निवासी दिनेश कुमार निर्मलकर की है। वह मंगलवार को दोस्त के साथ बालको प्लांट में रात की शिफ्ट में बाइक से गया था। बुधवार सुबह जब मौके पर पहुंचा। बाइक नहीं थी। आसपास पतासाजी किया। लेकिन बाइक नहीं मिली। इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज किया है।

19 सितंबर को होगी बैठक, ट्रक मालिकों की हड़ताल स्थगित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोयला परिवहन भाड़ा वृद्धि की मांग को लेकर ट्रक-ट्रेलर मालिक सेवा समिति की अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार की देर रात लिखित आश्वासन मिलने के बाद स्थगित कर दी गई। देर रात तक चली बैठक में कोल लिफ्टर्स ने ट्रक मालिकों की मांगों पर चर्चा करने के लिए सहमति जताई और 19 सितंबर को बैठक कर मांग पर चर्चा करने का भरोसा दिया है।

जिले में एसईसीएल की खदानों से स्थानीय उद्योगों के साथ-साथ पड़ोसी जिलों व राज्यों के उद्योगों तक कोयले की आपूर्ति

रोडसेल के जरिये ट्रक और ट्रेलरों के माध्यम से की जाती है। लंबे समय से ट्रक मालिक भाड़ा वृद्धि की मांग कर रहे हैं। इसी को लेकर 28 जुलाई को हड़ताल की गई थी, लेकिन समाधान नही होने पर बुधवार से फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की गई थी। इस हड़ताल के चलते एसईसीएल मानिकपुर, कुसमुंडा और सरायपाली माइन्स से रोड सेल कोयला परिवहन बाधित रहा। इस बीच देर रात लगभग 10.30 बजे तक ट्रक मालिकों और कोल लिफ्टर्स संघ के बीच वार्ता चली। ट्रक मालिकों ने लिखित आश्वासन की मांग रखी, जिस पर कोल लिफ्टर्स संघ ने 19 सितंबर को बैठक कर भाड़ा वृद्धि पर चर्चा का लिखित वादा किया। इसके बाद ट्रक मालिकों ने हड़ताल स्थगित कर दी। हालांकि ट्रक मालिकों का कहना है कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो वे फिर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने को बाध्य होंगे।

आबकारी विभाग की टीम पर हमला करने वालों पर हुई कार्रवाई

11 लोगों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। आबकारी विभाग की टीम पर हमला करने वालों पर उरगा पुलिस ने कार्रवाई की है। घटना में शामिल 11 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

थाना उरगा में प्रार्थी नारायण सिंह कंवर आबकारी कार्यालय कोरबा के व्दारा लिखित शिकायत दर्ज रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। 19 अगस्त को प्रातः 9 बजे आबकारी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी की टीम द्वारा ग्राम आमापाली में आरोपी शंकर खड़िया के यहां अवैध कच्ची महुआ शराब निर्माण की सूचना पर रेड कार्यवाही की गई। जिसका विरोध शंकर खड़िया व उसके परिजनों, रिश्तेदारों ने शासकीय कार्य मे बाधा पहुंचाते हुए गाली-गलौज, वाहन मे तोड़फोड कर कर्मचारियों के साथ मारपीट कर चोट पहुंचाई। बलवा आदि की रिपोर्ट पर धारा 296, 221,132,121(1),324 (2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद किया गया ।मामले में 1 पुरूष सहित 11 महिलाओं को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर न्यायालय पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

कोल कर्मियों के सेटलमेंट-इन-अलाउंस में वृद्धि

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोल इंडिया लिमिटेड प्रबंधन ने गैर-कार्यकारी संवर्ग कर्मचारियों के सेटलमेंट-इन- अलाउंस में बढ़ोतरी किए जाने का आदेश जारी किया है।सीआईएल के निदेशक मंडल ने 31 जुलाई 2025 को आयोजित अपनी 481वीं बैठक में सेटलिंग- इन-अलाउंस में बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी।

गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर देय सेटलमेंट-इन- अलाउंस राशि को मौजूदा 12,000 रुपए से बढ़ाकर प्रति सेटलमेंट- इन- अलाउंस व्यक्ति 20,000 रुपए कर दिया गया है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कंपनी के क्वार्टर/लीज्ड आवास में रहने वाले गैर-कार्यकारी कर्मचारी, अधिकृत प्राधिकारी द्वारा जारी कंपनी क्वार्टर खाली करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही उपरोक्त लाभ के पात्र होंगे।

निधनः आदर्श टमकोरिया

कोरबा। किशन लाल टमकोरिया के युवा पुत्र आदर्श टमकोरिया (30 वर्ष) का आकस्मिक निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा शुक्रवार दोपहर 3 बजे निवास स्थान मेन रोड सीतामणी से निकल कर मोतीसागर पारा मुक्तिधाम जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-